संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -229 बुधवार,21 जून 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

दो जून को हुए ओडिशा रेल हादसा मामले में आया नया मोड़

सिग्नल जेई आमिर खान का परिवार लापता

सीबीआई ने सील किया घर

बालासोल,20 जून 2023(ए)। ओडिशा के बालासोर ट्रेन हादसे की सीबीआई जांच में नया मोड़ आ गया है। सीबीआई ने बालासोर सिग्नल जेई आमिर खान का घर सील कर दिया है। जांच टीम ने कुछ दिन पहले ही हादसे को लेकर सिग्नल जेई से पूछताछ की थी। जिसके बाद से ही सिग्नल जेई अपने परिवार के साथ लापता है। 2 जून को हुए इस हादसे में अब तक 290 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है जबकि सैकड़ों लोगों का अभी भी इलाज चल रहा है।

सीबीआई को ओर से ट्रेन हादसे की जांच की शुरुआत 6 जून को गई। इससे पहले इस मामले में सीबीआई केस दर्ज की थी। सरकार की ओर से मामले की सीबीआई जांच का आदेश तब दिया गया जब इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के साथ छेड़छाड़ की आशंका व्यक्त की गई। हादसे के बाद रेलवे के अधिकारियों ने कहा था कि हो सकता है कि इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ की गई हो।

मालगाड़ी से टकरा गई थी कोरोमंडल एक्सप्रेस

यह हादसा उस वक्त हुआ जब तेज रफ्तार से जा रही कोरोमंडल एक्सप्रेस बालासोर में डिरेल होकर लूप लाइन पर खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई थी। वहीं, उसके कुछ डिब्बे बगल की पटरी से गुजर रही दूसरी पैसेंजर ट्रेन से भी टकरा गए थे। हादसा इतना भीषण था डिब्बों के परखच्चे उड़ गए हैं. हादसे का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि कोरोमंडल ट्रेन का इंजन मालगाड़ी के वैगन पर चढ़ गया था।

292 यात्रियों की मौत

हादसे में अब तक 292 यात्रियों की मौत हो चुकी है. जिस वक्त हादसा हुआ था उस समयें करीब 1200 लोग घायल हुए थे. इसमें 100 से अधिक बुरी तरह से चोटिल हुए थे. घटना के बाद रेल मंत्री के अलावा खुद प्रधानमंत्री मोदी भी घटनास्थनल का दौरा करने के लिए बालासोर गए थे. रेल मंत्री तीन दिन तक घटनास्थल पर मौजूद रहे और 51 घंटे के भीतर रेलवे लाइन को फिर से शुरू कर दिया गया था।

विपक्ष ने सरकार पर उठाए थे सवाल

हादसे को लेकर विपक्ष की ओर से भी कई तरह के सवाल उठाए गए. विपक्ष ने कहा कि जब भारत में सुरक्षा कवच मौजूद हो उसे ट्रेन में क्यों नहीं लगाया गया था? हालांकि, जवाब में रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने कहा कि यह हादसा सुरक्षा कवच नहीं होने से नहीं बल्कि किसी और कारण से हुआ है। इसके अलावा विपक्ष ने रेलवे की ओर से यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुरक्षा के मुद्दे पर निशाना साधा था।

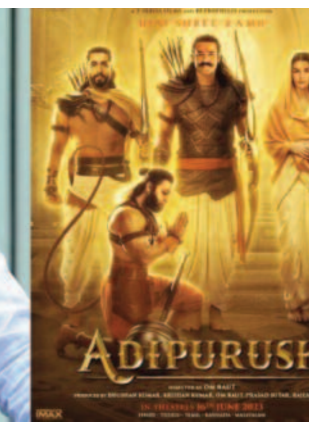

प्रधानमंत्री तक पहुंचा आदिपुरुष फिल्म का विवाद

» सिने वर्कर्स ने पत्र लिखकर की बैन करने की मांग

नई दिल्ली, 20 जून 2023(ए)। 16 जून को रिलीज हुए आदिपुरुष फिल्म पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। देश में कई जगह आदिपुरुष पर बैन लगाने कि मांग उठ रही है। फिल्म के डायलॉग्स और खराब वीएफएक्स ने न सिर्फ दर्शकों को दुखी किया है बल्कि कई लोग तो इसे देख भड़क गए हैं। ऐसे में चारों तरफ इस फिल्म को लेकर विवाद शुरू हो गया है। लोग फिल्म के डायरेक्टर ओम राउत और संवाद लेखक मनोज मुंतशिर पर गुस्सा जता रहे हैं। इसी कड़ी में ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि फिल्म की स्क्रीनिंग बंद की जाए और भविष्य में सिनेमाघरों और ओटीटी प्लेटफॉर्मों में आदिपुरुष की स्क्रीनिंग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया जाए।

लेटर में संगठन की ओर से कहा गया है, हम लोग फिल्म के डायरेक्टर ओम राउत, डायलॉग राइटर मनोज मुंतशिर शुक्ला और प्रड्यूसर्स के खिलाफ एफआईआर चाहते हैं।

मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली, 20 जून 2023 (ए)।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्टपति द्रौपदी मुर्मू को उनके 65वें जन्मदिन पर बधाई दी। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, राष्टपति जी को जन्मदिन की बधाई। हमारे लोगों के कल्याण के लिए ज्ञान, गरिमा और प्रतिबद्धता की एक किरण, देश की प्रगति को आगे बढ़ाने के उनके प्रयासों के लिए उनकी प्रशंसा की जाती है। उनका समर्पण हम सभी को प्रेरित करता है। उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबे जीवन की कामना करता हूं। इस बीच, राष्टपति मुर्मू ने जगन्नाथ रथ यात्रा 2023 से पहले मंगलवार सुबह हौज खास, दिल्ली में जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की।

देवरिया में भीषण गर्मी से 9 लोगों की मौत

» अस्पताल पहुंचने से पहले ही तोड़ा दम; 285 लोग बीमार

देवरिया,20 जून 2023 (ए)। भीषण गर्मी के कारण लोगों के बीमार पड़ने का सिलसिला जारी है। 24 घंटे के भीतर महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी में पहुंचने से पहले ही विभिन्न रोगों के लक्षण वाले नौ और लोगों की मौत हो गई। इनके नाम व पता रजिस्टर में दर्ज हैं। राहत की बात यह है कि उपचार के दौरान एक भी रोगी की मौत नहीं हुई।

मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में सोमवार दोपहर 12 बजे से मंगलवार दोपहर 12 बजे तक कुल 285 लोगों को गंभीर हालत में लाया गया व उनका उपचार किया गया, इनमें सोमवार रात 12 बजे से मंगलवार दोपहर 12 बजे तक 151 रोगी शामिल थे।

इन लोगों की हुई मौत

सोमवार की सुबह 9.45 बजे से मंगलवार की सुबह 9.45 बजे के बीच कुल नौ लोग मृत अवस्था में लाए गए। इनमें अलग-अलग लक्षणों वाले रोगी शामिल थे। मृतकों में भटवलिया के 40 वर्षीय राजू लोचन, सिवान के गुदरीपाली (मैरवा) के रहने वाले 45 वर्षीय मुन्ना कुमार, लंगड़ी देवरिया की पतिराजी देवी, गौरीबाजार के गौरीबुजुर्ग गांव के 62 वर्षीय रविंद्र प्रताप मिश्र, सोनाड़ी गांव के 60 वर्षीय दीनानाथ, भाटपाररानी के कुंकुरघाटी के 85 वर्षीय सच्चिदानंद, अगस्तपार गांव के 84 वर्षीय पृथ्वीनाथ पांडेय, खुखुंदू की 35 वर्षीय अमीना, असनहर गांव की 14 वर्षीय मुस्कान शामिल हैं।

बदली थी इमरजेंसी की व्यवस्था

मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी की व्यवस्था मंगलवार को बदली-बदली दिखी। रोगियों को गर्मी से राहत देने के लिए चार कूलर का इंतजाम किया गया था। दोनों वार्डों, बरामदे व गैलरी में एक-एक कूलर लगाए गए थे। प्रधानाचार्य डॉ. राजेश बरनवाल ने साफ-सफाई व अन्य व्यवस्था का जायजा लिया। फिजिशियन डॉ. विजय गुप्ता ने ओपीडी से आकर इमरजेंसी में भर्ती कई रोगियों को देखा। गर्मी को देखते हुए इमरजेंसी में एसी लगाने की आवश्यकता जताई जा रही है।

इमरजेंसी में पूरे दिन रही रोगियों की भीड़

इमरजेंसी में मंगलवार को पूरे दिन रोगियों की भीड़ देखी गई। सुबह की अपेक्षा दोपहर में रोगियों की तादाद अधिक उमड़ी। जागरण संवाददाता ने सुबह 11.30 बजे से एक बजे तक इमरजेंसी का हाल जाना। अधिकतर रोगी बुखार, उल्टी, दस्त व पेट दर्द के आए।

सांस व एलर्जी के रोगी पहुंचे

मेडिकल कॉलेज के ओपीडी में चेस्ट विभाग में दोपहर एक बजे तक 103 रोगी पहुंचे, जिसमें सांस फूलने, खांसी, एलर्जी व अस्थमा व ब्लड प्रेशर के रोगी शामिल थे।

धामी मंत्रिमंडल में फेरबदल लगभग तय

देहरादून,20 जून 2023 (ए)। उत्तराखंड में जल्द ही मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल हो सकता है। बीजेपी आलाकमान ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मंत्रियों की फाइनल रिपोर्ट मांगी है। इस रिपोर्ट के आधार पर ही मंत्रियों की कुर्सी जाएगी या बच पाएगी। आपको बता दें कि, पार्टी आलाकमान का यह पूरा मैसेज है कि कुछ मंत्रियों की वजह से पार्टी और सरकार की छवि प्रदेश में खराब हो रही है। वहीं मुख्यमंत्री भी जिस तेजी से रिजल्ट देने की कोशिश कर रहे हैं उनमें भी इन मंत्रियों की वजह से रुकावटें पैदा हो रही हैं।

बिपरजॉय प्रभावित किसानों को मुआवजा देगी गुजरात सरकार

अहमदाबाद , 20 जून 2023 (ए)। समुद्री तूफान बिपरजाय ने आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश लेकर आई थी जिसने किसानों की फसलों को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। गुजरात सरकार ने कहा कि वह चक्रवात 'बिपारजॉय' से किसानों की फसलों, बागवानी की क्षति और मवेशियों की मौत पर मुआवजा देगी। वहीं, शुरुआती सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि राज्य ऊर्जा संरचना को करीब 783 करोड़ रुपये की क्षति हुई है। चक्रवात 'बिपारजॉय' के बाद गुजरात में जीवन धीरे-धीरे पटरी पर लौट रहा है।

वहीं, सरकार ने मई 2021 के बाद गत सप्ताह आए दूसरे तूफान से हुए नुकसान का आकलन करने की शुरुआत कर दी है। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री और सरकार के प्रवक्ता ऋषिकेश पटेल ने मंत्रिमंडल की गांधीनगर में हुई बैठक के बाद कहा कि विभिन्न टीमों को प्रभावित जिलों में नुकसान का आकलन करने के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट मिलने के बाद राज्य सरकार किसानों और पशुपालकों को नुकसान की क्षतिपूर्ति करेगी।

पटेल ने बताया कि शुरुआती सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि गुजरात की बिजली अवसंरचना को 'बिपारजॉय' तूफान से करीब 783 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है जबकि 15 जून को तूफान के तट से टकराने के बाद से 6,486 गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित होने की सूचना है। उन्होंने बताया कि 5,753 गांवों में बिजली की आपूर्ति बहाल कर दी गई है जबकि बाकी गांवों में बिजली बहाल करने के लिए काम जारी है।

पटेल ने बताया कि आकाशीय बिजली और पेड़ गिरने सहित विभिन्न तूफान संबंधी घटनाओं में 1,320 मवेशियों और 1,900 कुक्कुट पक्षियों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि 1,129 मारे गए मवेशियों के एवज में 1.62 करोड़ रुपये की राशि बतौर क्षतिपूर्ति वितरित की गई है जबकि बाकी पशुपालकों को जल्द मुआवजे की राशि दी जाएगी। पटेल ने बताया कि शुरुआती आकलन के मुताबिक कच्छ, मोरबी, देवभूमि द्वारका, जामनगर और पोरबंदर जिले में तूफान के दौरान चली तेज हवाओं की वजह से करीब 53 हजार हेक्टेयर में लगे 14,800 फलदायी वृक्ष उखड़ गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया ममता सरकार को झटका

पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में तैनात रहेंगे अद्धसैनिक बल

नई दिल्ली , 20 जून 2023 (ए)। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल स्थानीय निकाय के चुनाव के मद्देनजर राज्य के सभी संवेदनशील जिलों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनात करने के उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बी भी नागरत्न और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की अवकाशकालीन पीठ ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के 13 और 15 जून के आदेशों को न्याय संगत बताते हुए उनकी पुष्टि की जबकि राज्य सरकार और पश्चिम बंगाल चुनाव आयोग की विशेष अनुमति याचिकाएं खारिज कर दी। पश्चिम बंगाल में आठ जुलाई, 2023 को पंचायत चुनाव होने वाले हैं।

इस चुनाव में हिंसा की खबरों और आशंकाओं के मद्देनजर राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी के अलावा कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी और अन्य द्वारा दायर जनहित याचिकाओं पर उच्च न्यायालय ने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती का निर्देश दिया था। उच्च न्यायालय ने 13 जून को आयोग से संवेदनशील इलाकों में केंद्रीय बलों की तैनाती के लिए अनुरोध भेजने को कहा था। इसके बाद 15 जन को उच्च न्यायालय ने 48 घंटे के भीतर सुरक्षाबलों को तैनात करने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के 13 और 15 जून के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर शीघ्र सुनवाई करने की राज्य चुनाव आयोग की गुहार म सोमवार को स्वीकार करते हुए मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की अनुमति दी थी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन पीठ के समक्ष आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने सोमवार को विशेष उल्लेख के दौरान तत्काल सुनवाई की गुहार लगाई थी। पीठ ने याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई करने की सहमति व्यक्त की थी।

पश्चिम बंगाल सरकार और चुनाव आयोग ने उच्च न्यायालय के आदेश को शीर्ष अदालत में अलग-अलग चुनौती दी थी।

शारीरिक संबंध से इनकार करना क्रूरता है लेकिन अपराध नहीं

» हाईकोर्ट ने खारिज की पत्नी की याचिका

बेंगलुरू , 20 जून 2023 (ए)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति और उसके माता-पिता के खिलाफ पत्नी द्वारा शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने के मामले में दायर याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने पति द्वारा प्रस्तुत याचिका पर गौर करते हुए कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम -1955 के तहत पति द्वारा शारीरिक संबंध से इनकार करना क्रूरता है, लेकिन यह आईपीसी की धारा 489ए के तहत नहीं आता। जानकारी के मुताबिक महिला के पति ने अपने और अपने माता-पिता के खिलाफ आईपीसी की धारा 498ए और धारा 4 दहेज निषेध अधिनियम के तहत पुलिस द्वारा दायर चार्जशीट को कोर्ट में चुनौती दी थी। पीठ ने कहा कि

याचिकाकर्ता के खिलाफ एकमात्र आरोप यह है कि उनका मानना है कि प्यार का मतलब कभी शारीरिक संबंध बनाना होता ही नहीं, बल्कि यह तो आत्मा से आत्मा का मिलन होना चाहिए। बेंच ने कहा कि पति का अपनी पत्नी के साथ शारीरिक संबंध बनाने का कभी इरादा ही नहीं था। शादी का उपभोग न करना निस्संदेह हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 12 (1)(ए) क्रूरता के तहत आता है। लेकिन, यह आईपीसी की धारा 498 ए के तहत नहीं आता है। पीठ ने कहा कि पति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही नहीं की जा सकती। क्योंकि यह कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। उसने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 12 (1)(ए) के तहत फैमिली कोर्ट में एक शिकायत भी दर्ज करवाई थी, जिसमें यह दावा किया गया था कि शादी के बाद सेक्स हुआ ही नहीं। पत्नी ने अपने पति और उसके माता-पिता के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया था।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निर्माता असित कुमार के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई , 20 जून 2023 (ए)। हास्य धारावाहिक तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निर्माता असित कुमार मोदी ने धारावाहिक के माध्यम सब टीवी में लंबे समय तक लोगों का खूब मनोरंजन कराया। अब एक अभिनेत्री ने यौन शोषण का मामला दर्ज करा करा उनकी मुश्किलें बढ़ा दी है। दरअसल एक अभिनेत्री की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने असित कुमा पर यौन शोषण का मामला दर्ज कर लिया है।

एक पुलिस अधिकारी ने आज यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पवई थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 354ए (यौन उत्पीड़न) और धारा 509 (किसी महिला की मर्यादा का हनन करने के इरादे से शब्द, हावभाव या कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि महिला ने शो के परिचालन प्रमुख और कार्यकारी निर्माता का भी नाम लिया। गौरतलब है कि 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की एक अभिनेत्री ने पिछले महीने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पुलिस और राष्ट्रीय महिला आयोग से संपर्क किया था। शो के निर्माता ने इन आरोपों से इनकार कर दिया था और उन्होंने दावा किया था कि अभिनेत्री के गलत व्यवहार के कारण उन्हें शो से निकाला गया। अधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत के बाद जांच शुरू कर दी गई है और इसमें नामजद लोगों से भी पूछताछ की गई। अभिनेत्री ने आरोप लगाया है कि शो के निर्माता ने पिछले कुछ वर्षों में कई बार उनका यौन उत्पीड़न किया।

केंद्र सरकार ने 12 आईपीएस ऑफिसर का किया प्रमोशन

» 6 को बनाया गया आईबी में स्पेशल डायरेक्टर

नई दिल्ली , 20 जून 2023 (ए)। केंद्र सरकार ने बड़ा फेरबदल करते हुए 12 आईपीएस ऑफिसर्स का प्रमोशन कर दिया है। जिसमें 6 ऑफिसर्स को इंटेलिजेंस ब्यूरो का स्पेशल डायरेक्टर बनाया गया है। इसके साथ ही अन्य 6 को बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी का स्पेशल डायरेक्टर जनरल के रूप में पदोन्नत किया गया है। बता दें कि ये सभी अधिकारी 1989 और 1990 बैच कैडर के हैं।

संपादकीय

समस्या व्यवस्थागत है

भारत में डॉक्टरों के साथ हिंसक घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। मरीजों के परिजनों का गुस्सा अक्सर उन्हें झेलना पड़ता है। लेकिन हम अगर गौर करें, ज्यादातर मामलों की जड़ में ना तो डॉक्टरों की लापरवाही आएगी, ना परिजनों का असामाजिक व्यवहार। समस्या व्यवस्थागत है।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अनुसार 75 फीसदी से अधिक डॉक्टरों ने कार्यस्थल पर किसी न किसी प्रकार की हिंसा का सामना किया है। ऐसे ज्यादातर मामलों में मरीज के परिजन शामिल थे। हालांकि स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति कार्यस्थल पर होने वाली हिंसा को लेकर देश में कोई केंद्रीकृत डेटाबेस मौजूद नहीं है, लेकिन मीडिया रिपोर्टों से मालूम पड़ता है कि ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। इलाज की नाकामी की अवस्था में अक्सर मरीज के परिजन डॉक्टरों या अस्पताल की लापरवाही को दोषी मानते हैं। यानी सरकारी अस्पतालों में मेडिकल स्टाफ- विशेष रूप से जूनियर डॉक्टरों, मेडिकल इंटर्न और अंतिम वर्ष के मेडिकल छात्रों- को इसका खामियाजा भुगतना पड़ जाता है। डॉक्टर एसोसिएशनों ने इस समस्या से निपटने के लिए एक केंद्रीय कानून की मांग की है। दरअसल, अप्रैल 2020 में भारत में एक कानून बनाया गया था, जिसके तहत स्वास्थ्य देखभाल सेवा से जुड़े पेशेवरकर्मियों के खिलाफ हिंसा को एक संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध बना दिया गया था। लेकिन कोरोना महामारी खत्म होने के साथ ही यह कानून खत्म हो गया।

कुछ राज्यों में ऐसे कानून हैं, लेकिन डॉक्टरों की शिकायत है कि वे कानून पूरी तरह से लागू नहीं किए गए हैं और साथ ही वे सुरक्षा के लिहाज से कारगर नहीं हैं। मगर स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों की यह राय गौरतलब है कि समस्या को सिर्फ व्यक्तिगत स्तर पर देखना काफी नहीं है। बल्कि इसे देश की खराब सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के संदर्भ में देखने की जरूरत है। सीमित संसाधन और कर्मचारियों की सीमित संख्या की वजह से गलत प्रबंधन इसका एक प्रमुख कारण है। निजी क्षेत्र में जरूर इलाज अनावश्यक रूप से अधिक महंगा है और ऐसी शिकायतें भी हैं कि निजी अस्पताल पैसा कमाने के लिए लंबे समय तक मरीजों को रोके रहते हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में 34 लाख ही रजिस्टर्ड नर्स हैं। वहीं 13 लाख अन्य स्वास्थ्यकर्मी हैं। जाहिर है, 1.4 अरब की आबादी वाले देश के लिए यह नाकाफी है। स्पष्ट है कि इस समस्या को बिना दूर किए कोई भी विशेष कानून प्रभावी नहीं हो पाएगा। उससे डॉक्टरों की अपेक्षा पूरी नहीं हो सकेगी।

मानव जीवन में योग की महत्ता

पूरी दुनिया इस वर्ष 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। वैश्विक स्तर पर इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। दरअसल योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। यही वजह है कि जिस प्रकार किसी बीमारी के इलाज के लिए आज दवा की जरूरत मानी जाती है, उसी प्रकार स्वस्थ जीवन के लिए दिनचर्या में अब योग आवश्यक माना जाता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत, बगैर किसी खर्च के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह न केवल मानसिक तनाव से छुटकारा दिलाता है बल्कि मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है, जिससे योग करने वाले व्यक्ति के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। यही कारण है कि अब युवाओं में भी योग की लोकप्रियता बढ़ रही है तथा ऐसे युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने वाले मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है।

27 सितम्बर 2014 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए संयुक्त राष्ट महासभा से आव्हान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके और विश्वभर के लोग स्वस्थ जीवन जी सकें। उन्होंने अपने आव्हान में कहा था कि भारत के लिए प्रकृति का सम्मान अध्यात्म का अनिवार्य हिस्सा है। यह भारत के लिए गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी, जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। 21 जून 2015 को सम्पूर्ण विश्व में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। नरेन्द्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन

के खतरनाक प्रभावों के चलते दुनिया भर में लोगों के गिरते स्वास्थ्य की समस्या से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अंगीकृत करने हेतु विश्व के तमाम देशों के नेताओं से आव्हान किया था और इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब किसी राष्ट द्वारा दिए गए प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट द्वारा 90 दिनों से भी कम अवधि में लागू कर दिया गया हो। उस समय संयुक्त राष्ट महासभा के अध्यक्ष सैम के. कुटेसा ने कहा भी था कि इस प्रस्ताव को इतने सारे देशों द्वारा समर्थन देने से स्पष्ट है कि लोग योग के फायदों के प्रति आकर्षित हो रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर योग दिवस मनाए जाने का उद्देश्य यही है कि इसके जरिये लोगों को शारीरिक व मानसिक बीमारियों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें योग के माध्यम से इसका समाधन उपलब्ध कराया जाए और योग के अद्भुत व प्राकृतिक फायदों के बारे में लोगों को बताकर उन्हें योगाभ्यास के जरिये प्रकृति से जोड़ा जा सका, जिससे समूचे विश्व में चुनौतीपूर्ण बीमारियों की दर घटाने में अपेक्षित सफलता मिल सके। योग को अपनाकर मानसिक शांति प्राप्त करते हुए हर प्रकार की बीमारियों से सहजता से बचा जा सकता है। लोगों के बीच वैश्विक समन्वय मजबूत करने में भी योग सहायक भूमिका निभा सकता है। अंतर्राष्टीय स्तर पर योग दिवस मनाए जाने का उद्देश्य यही है कि दुनियाभर में लोगों को शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य तथा आध्यात्मिक संतोष के विकास का अनुपम अवसर प्राप्त हो। 'अंतर्राष्टीय योग दिवस' चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर ही दुनियाभर में मनाया जाता है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री की अगुवाई में ही इस दिन भारत में विशेष आयोजन किया जाता है। अब प्रतिवर्ष 21 जून को दुनियाभर के 170 से भी ज्यादा देश अंतर्राष्टीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। 'अंतर्राष्टीय योग दिवस' के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है, जिसे 'ग्रीष्म संक्रांति' भी कहा जाता है। इस दिन प्रकृति, सूर्य तथा उसका तेज सर्वाधिक प्रभावी रहता है और भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में अत्यंत लाभकारी माना गया है। बहरहाल, योग से न केवल मस्तिष्क की एकाग्रता बढ़ती है बल्कि इससे मांसपेशियों में लचीलापन आता है, शरीर मजबूत बनता है, तनाव और अवसाद दूर होता है, रीढ़ की हड्डी सीधी होती है तथा पीठ दर्द में बहुत आराम मिलता है। इसके अलावा लगभग सभी गंभीर बीमारियों में योग के चमत्कारिक प्रभाव देखे गए हैं। इसलिए स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने तथा रोगों को दूर भगाने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए। अब तो आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है।

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

सांस्कृतिक धरोहर के साथ छेड़ का साहस क्यों और कैसे ?

आदिपुरुष नाम सुनकर ऐसा लगता था कि हमारी गौरवशाली सनातन संस्कृति को आज की युवा पीढ़ी तक पहुंचाने का बहुत ही सशक्त और सफल प्रयास सामने आ रहा है। परंतु फिल्म का पहला टीजर देखते साथ ही कहीं ना कहीं सारा उत्साह ठंडा हो गया, और मन उदास हो गया। मैं समझती हूं कुछ बातें धर्म मजहब संप्रदाय से ऊपर होती हैं, राजनैतिक विचार से विलग होती हैं। राम को मैं ना सिर्फ ईश्वर के रूप में बल्कि एक राष्ट नायक के रूप में देखती हूं। इसलिए आज मुझे हमारे मानस पर अंकित छवि से विपरीत कुछ देखना बहुत उदासीन कर गया। सभी किरदार और उनकी वेशभूषा बहुत ही आपत्तिजनक एवं अनुचित लगे। मैंने निजी तौर पर सर्वथा अब तक जो भी देखा है उस सबका विरोध करती हूं। हमने बचपन से पुष्पक विमान का वर्णन एक स्वचालित रत्न जड़ित भव्य विमान के रूप में सुना तथा पढ़ा है। मैं समझने में असमर्थ हूं कि ऐसे अद्भुत पुष्पक विमान को एक अजीबोगरीब चमगादड़ सरीखे जीव से प्रतिस्थापित करने की क्या आवश्यकता है? सभी किरदारों के मेकअप एवं साज सज्जा ऐसे तरीके से किए गए हैं जो बहुत ही बुझा हुआ लुक प्रदान करता है। श्री राम के चरित्र की भव्यता एवं विराटता पूर्णतः लुप्त पाई गई। ना ही माता सीता के चरित्र का तेज उनके किरदार निभाती

अदाकारा में दूर-दूर तक कहीं नजर आता है। हमारे मन मस्तिष्क में राम भक्त श्री हनुमान की छवि अद्भुत प्रकार की है, परंतु फिल्म में नजर आने वाला किरदार उसे लेश मात्र भी छूता प्रतीत नहीं होता। ना ही मेकअप, साज सज्जा, वेशभूषा ना ही अन्य किरदार, कुछ भी प्रभावशाली नजर नहीं आता। कई दृश्यों में आज के जमाने का ग्लैमर नजर आता है, परंतु भावविहीन दिखते हैं। और कई दृश्यों में किसी वीडियो गेम की दौड़ प्रतीत होती है। पूर्णतः यह फिल्म हमारे हृदय को स्पर्श करने में विफल रही है। और सबसे ज्यादा आपत्ति मुझे किरदारों की साज-सज्जा, वेशभूषा एवं परिधानों पर है। जैसा हमने बचपन से सुना पढ़ा तथा अन्य धारावाहिकों या फिल्मों में देखा है, उससे बिल्कुल विपरीत इस फिल्म में दिखाई दे रहा है। मुझे लगता है जो चीजें हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं, उनके साथ किसी भी प्रकार की छेड़, चाहे वह सृजनात्मक या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ही क्यों ना हो, पूर्णतः अनुचित है, और किसी भी कारणवश उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता! फिल्म के डायलॉग पूरी तरह से गली मोहल्ले की भाषा नजर आते हैं, और फूहड़ सुनाई देते हैं। कुल मिलाकर मुझे निजी रूप से ऐसा लगता है कि ऐसे प्रयासों का विरोध किया जाना चाहिए, और पूरी मुखरता के साथ विरोध किया जाना चाहिए। ताकि अन्य कोई भी निर्माता-निर्देशक या अभिनेता इस प्रकार के किसी प्रयास का हिस्सा भविष्य में बनने का प्रयास कतई ना करें।

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
काशी,उत्तर प्रदेश

अब तुममे वो बात ना रही-जरा सोच के बोलिये

अक्सर बागीचे में जब शाम के वक्त टहलने जाती तो बहुत सी सखियों संग बतियाते हुए बागीचे मे बहुत अच्छा लगाता है। लगता है कोई तो है जो मुझे सुन सके समझ सके। जिस तरह मेरी गृहस्थी, घर बार ठीक उसी तरह मेरी सखियों के भी अपने-अपने घर-बार जिसके अंतर्गत अपनी जिम्मेदारियों के तले खुद पर ध्यान देने का अधिक वक्त ही नहीं मिलता। ये तो शाम को बस कुछ फुर्सत के जैसे-तैसे कभी कभार वक्त निकाल बागीचे मे मिल लेती हम सभी सखियां। हम सखियों में जब कभी बात चीत हुई तो अक्सर एक दूसरे की जिंदगानी से कुछ हमें सीखने को मिलता। साथ ही एक दूसरे की परेशानियों को सुन एक दूसरे को सही राय भी देकर पूरी तरह न सही, पर कुछ हद तक तो समस्या का निदान मिल ही जाता। हाल ही मे सखियों संग ही बतियाते हुए एक सखी को उसके जीवनसाथी ने जो बात कही वो सच आज की दर्द-ए विडंबना है। सच सखी की बात सुन ऐसा लगा कि हमें भी कभी हमारे जीवनसाथी ने अगर ऐसी बात कह दी तो हम तो आंसूओं को अपने रोक ही नहीं पाएंगे। जानते हैं वो शब्द क्या थे? वो शब्द थे अब तुममें वो पहली सी बात न रही। कितना दुख हुआ होगा मेरी सखी को ये सुन कर। मैं तो मात्र कल्पना मात्र से ही सिहर उठती हूं, कि कहीं अगर मेरे जीवनसाथी ने भी ये कह दिया तो?

जरा सोच के देखियेगा कि जो जीवनसंगिनी आपके लिए आपके द्वारा भरे मांग के सिंदूर के विश्वास के दम पर आपके लिए सर्वोसर लुटा देती है। उसे आप ऐसा कैसे कह सकते हैं। एक पत्नी एक नारी होने के नाते आपके वंशज को आगे बढ़ाने के लिए अपनी जान हथेली पर रखकर एक नवजीवन को इस दुनिया में लाती है उस समय तो आप जब पिता बनते हैं कितना गौरवान्वित महसूस करते हैं गर्व होता है उसमें आपको अपनी पत्नी पर कि वह आपको औलाद दे सकी। औलाद होने के बाद वह तो जैसे खुद के लिए जीना ही भूल जाते थे रात रात भर जाग कर भी बच्चे का ख्याल रखना उसकी भूख मिटाने के लिए उसे रात को भी सीने से लगाकर दूध पिलाना यहां तक की यदि बच्चा रात को कपड़े गीले कर देता है तो वह भी एक मां है जो सब सहन कर लेती है कितना बलिदान देती है आपके वंशज को आगे बढ़ाने के लिए। भूल जाती है पहले की तरह खुद को संवारना भी, जिम्मेदारी के बोझ तले इतनी अधिक व्यस्त हो जाती है कि अपने लिए जीना ही भूल जाती है। साथ ही महिला जब एक नवजात को जन्म देती है तो उसकी शारीरिक बनावट में परिवर्तन व शिथिलता आती ही है ये स्वाभाविक ही है। पहले की तरह उसका शरीर नहीं रहता। आखिर क्यों? क्यों कि वह जो भी कर रही आपकी खुशी के लिए, आपके ही चेहरे पर मुस्कान बिखरने के लिए, आपको पिता नाम का महान पद दिलवाने के लिए फिर भी उसी को इस तरह से शब्दों के तीर से घायल करना क्या उचित है। महिलाएं कोई अपने घर मायके से पका-पकाया बच्चा नहीं लाती, ये तो आपकी ही उपज का नतीजा है जो आप दोनों के रिश्तों की गॉठ को ओर भी अधिक मजबूत से बॉधतआ है। तो क्यों अपनी पत्नी जिसने सर्वोसर लुटा दिया आपकी खुशियों के लिए सब उसे ये शब्द कहना की अब तुममें वो पहले सी बात ना रही उचित है। आप उस पत्नी की तुलना दूसरी स्त्रियों से कर उसे ओर भी अधिक शर्मिंदा करते हैं। यही कारण है कि आज के वर्तमान समय मे अपने आस पास या अपने ही परिवार की महिलाओं के साथ संतान होने के बाद शारीरिक रूपरेखा में आए परिवर्तन पर कसे जा रहे तंज़ओं को देखकर आज के नवयुवा लव एंड लीव रिलेशनशिप में रहते और संतान पैदा करने का नहीं सोचते। क्यों कि उनकी मानसिकता यही हो रही की यदि हमारा फिगर बिगड़ गया तो उन्हें भी तानों को सहना पड़ेगा। आखिर ये कहावत तो सही है ना कि बच्चे जो भी सीखते अपने बड़ों से ही सीखते हैं। सम्मान दें अपने घर की महिलाओं को वो आज जैसी भी हैं आपकी अर्धांगिनी हैं जिसने आपको पिता नाम के शब्द से गौरवान्वित करने के लिए अपने शरीर की रूपरेखा को भी परिवर्तित करने के लिए बलिदान दिया। जिसने अपनी जान की भी परवाह नहीं की वो तो बस आपके चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए अपना सर्वोपरि लुटा बैठती है। उसके लिए आप और आपकी खुशी ही सब कुछ है।

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर, महाराष्ट्र

बाँधसरोवर की समस्या टली

कुँज जलाशय एक विशाल जलक्षेत्र था। यह चार भागों में विभाजित था। तालगढ़, बाँधसरोवर, दर्रीताल और ताँदुलासर। ये छोटी-छोटी रियासतें थीं। तालगढ़ का राजा था मंडूक मेंढक। बाँधसरोवर की रानी मिन्नी मछली थी। दर्रीताल जेठू जोंक का राज्य था। ताँदुलासर केऊ केकड़ा की रियासत थी। इन चारों पड़ोसी राज्यों में बहुत बढ़िया सम्बंध था। वे एक-दूसरे की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहते थे। प्रजा भी बहुत खुश थी।

एक बार की बात है। कुँज जलाशय के आसपास ठीक से बारिश नहीं हुई। चारों जलभूमि अलग-अलग भागों में बँट गयी। थलभाग की मेड़नुमा सीमा रेखाएँ उभर आईं। जल स्तर दिन-ब-दिन कम होने लगा। यह सभी राज्यों के लिए एक चिंता का विषय था। अब और अधिक संकट गहराये, इससे पहले विचार-विमर्श करने महाराज मंडूक मेंढक, जेठू जोंक, केऊ केकड़ा और महारानी मिन्नी एक जगह एकत्रित हुए। सभी बड़े चिंतित और दुखी थे।

सर्वप्रथम महाराज मंडूक मेंढक ने अपनी बात रखी- मित्रो ! हम सभी एक ही समस्या से जूझ रहे हैं। वह समस्या है, हमारे राज्यों का जल स्तर में निरंतर गिरावट आना। और कारण हैं, अत्यंत अल्प वृष्टि व भीषण गर्मी। मेरे तालगढ़ में बहुत ही कम पानी रह गया है। मुझे अपनी प्रजा की बड़ी चिंता हो रही है। अब तक मैं उन्हें ढाँढस बँधाता आ रहा हूँ कि इस बार अच्छी बारिश होगी, और समस्या खत्म हो जाएगी। पर बकरे की अम्मा आखिर कब तक खैर मनाएगी। मंडूक शांत होते हुए बैठा।

फिर रानी मिन्नी मछली ने कहना शुरू किया- जस हाल माधो का, तस हाल उधो का। वैसे आप सभी जानते हैं कि मेरा राज्यक्षेत्र बाँधसरोवर सबसे छोटा तो है, पर इस बार जलस्तर में बड़ी तेजी से कमी आ रही है। और इसीलिए अधिकतर बगुलों का दल मेरे राज्यसीमा पर मंडराते हुए दिख जाते हैं। मुझे अपने राज्य की सुरक्षा की चिंता खाये जा रही है। हे भगवान ! मेरे राज्य पर आपकी कृपा बनी रही। ÷ मिन्नी ने अपनी वाणी को विराम दिया।

अब जोंक राजा जेठू की बारी आई- साथियो ! वैसे समस्याएँ तो हम सबकी एक ही जैसी हैं। और आप सभी जानते हैं कि मेरा दर्रीताल सबसे बड़ा राज्य है। हमारी संख्या भी अपेक्षाकृत अधिक है। पर एक सकारात्मक बात यह है कि हम कम पानी में भी रह सकते हैं। दुर्भाग्य ! अल्प वृष्टि के कारण इस बार दर्रीताल बहुत तेजी से सूख रहा है। कुछ दिनों तक पानी नहीं गिरा तो समस्या बड़ी गम्भीर हो जाएगी। ÷ महाराज जेठू जोंक ने अपनी बात पूरी की। अंत में महाराज केऊ केकड़ा का कहना हुआ - हमारी समस्या न केवल चिंतनीय है; अपितु शोचनीय भी है। मैंने आप सबकी बातें सुन ली। हम सबको एक ही चिंता सताये जा रही है कि अपने राज्यों को पानी की कमी जैसी समस्या से कैसे बचाएँ। मेरे भाइयो ! सबसे छोटी रियासत होने के बावजूद मिन्नी रानी की समस्या और अधिक गम्भीर है, चिंतनीय है ; क्योंकि उनकी संख्या अधिक है। सो, उन्हें जल की हम सबसे अधिक आवश्यकता है। हम सभी कम पानी में रह सकते हैं। और जरूरत पड़ने पर हम जल व थल दोनों जगहों पर भी रह सकते हैं। सभी राजा केऊ की बातें बड़े ध्यान से सुन रहे थे।

तभी महाराज जेठू जोंक बीच में ही पूछ बैठा- जरूरत पड़ने पर ! वो कैसे केऊ महाराज ?

राजा केऊ केकड़ा बोले- अगर तालगढ़ पूरी तरह सूख गया तो राजा मंडूक और उनकी प्रजा झाड़-झरोखे में छुपकर या जमीन के नीचे गहराई में जाकर रह सकते हैं। उनकी प्राणरक्षा हो जाएगी। क्यों मित्रों , मेरी बात गौर करने योग्य है न ? हम भी बिल बना कर अपनी प्राणरक्षा कर सकते हैं। बारिश होने की प्रतीक्षा कर सकते हैं।

बात शत-प्रतिशत आप सही कह रहे हैं। एक मछली ही सिर्फ जल में ही रहने वाला प्राणी है। थल उसके लिए व्यर्थ हैं। मिन्नी रानी अपनी प्रजा को लेकर भला कहाँ जा सकती है। फिलहाल हमें मिन्नी रानी के बाँधसरोवर को बचाना ज्यादा जरुरी है। महाराज जेठू जोंक ने अपने मन की बात स्पष्ट करते हुए आगे कहा- हम लोग भी पानी कम होने पर कुछ दिनों तक कीचड़ में ही रह कर अपनी जान बचा सकते हैं।

फिर तो मिन्नी रानी के बाँधसरोवर की सुरक्षा सर्वोपरि है। हम पड़ोसी राजाओं का कर्तव्य बनता है कि महारानी मिन्नी और उनकी प्रजा को जलसंकट से उबारा जाय। हर हाल में बाँधसरोवर को बचाया जाय। अगर समय रहते जल की व्यवस्था न की जाय तो बाँधसरोवर के समस्त प्राणी काल के गाल में समा

जाएँगे।राजा व प्रजा विहीन राज्य का कोई अस्तित्व नहीं होता। महाराज मंडूक फुदक कर आगे आये; और बोले- इसलिए हम सबसे पहले केवल बाँधसरोवर की सुरक्षा के सम्बंध में विचार करें। यह सच है, जब किसी का घरौंदा उजड़ता है, तो वजह जानने के साथ-साथ निकटस्थ घरौंदे के यथावत कायम रहने पर उंगलियाँ उठती हैं। तभी मिन्नी रानी को चुप और केऊ केकड़ा को कुछ कहते हुए देख महाराज मंडूक ने शांत हो जाना उचित समझा।

महारानी मिन्नी आप कुछ कहना चाहती हैं, तो अवश्य कहिए। महाराज केऊ केकड़ा ने कहा।

अब मैं क्या बोलूँ महाराज ? बारिश के इंतजार के सिवाय भला मैं कर सकती हूँ। मैं अपनी प्रजा को लेकर अन्यत्र जा ही नहीं सकती। महारानी मिन्नी मछली के स्वर में बड़ी आर्द्रता थी।

बहुत समय तक जल समस्या व राज्य-सुरक्षा सम्बंधित बातें होती रही। विचार-विमर्श होता रहा। पर किसी न किसी तरह से समस्या निदान का उपाय टल ही जाता। बातें बनते-बनते बिगड़ जातीं। कुछ समय तक सभी खामोश हो जाते। एक-दूसरे को देखते रह जाते। पर आखिर बात कब तक नहीं बनती ? जब समस्या है, तो उसका निदान होना ही है। संसार में हर समस्या का हल है। अंत में महाराज केउ ने बिल्कुल सटीक व सकारात्मक उपाय रखा- महाराज मंडूक ! महाराज जेठू ! हमें अपने राज्यों का जल महारानी मिन्नी के बाँधसरोवर तक पहुँचाने का प्रबंध करना चाहिए। इससे बाँधसरोवर का जल स्तर बढ़ेगा। प्रजा को राहत मिलेगी। बाँधसरोवर बच जाएगा। मुझे विश्वास है कि बारिश के मौसम आते तक हम तीनों के राज्य तो बच ही जाएँगे। ÷ फिर सबने महाराज केऊ की बातों में हामी भरी। वे अपने-अपने राज्य को लौटे।

दो-तीन दिनों के बाद तालगढ़, ताँदुलासर व दर्रीताल के द्वारा बाँधसरोवर तक जल पहुँचाने का कार्य शुरू हो गया। तीनों राज्य की प्रजा भीड़ गयी। केकड़े जमीन खोदने लगे। मेंढक मिट्टी हटाने लगे। नाली बनने लगी। जोंक जलमार्ग के लिए नाली को साफ करने में लगे रहे। सबने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया। सबकी मेहनत रंग आयी। जलमार्ग बन गया। बाँधसरोवर में तीनों जगहों से पानी जाना शुरू हो गया। पर्याप्त पानी होते ही बाँधसरोवर की प्रजा में प्रसन्नता छा गयी। अब चारों राज्य धैर्यपूर्वक बारिश की प्रतीक्षा करने लगे।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद (छत्तीसगढ़)

योग

भगवान शिव से जिसकी
शुरुआत हुई
हितकारी बन
विश्व में फैला हुआ है
करो तुम शुरुआत आज से ही
सभी बीमारियों का तोड़ योग है
महंगाई के युग में
सस्ता एक साधन
प्राचीन पद्धति
योग जिसका नाम है
करके योग रहो तुम सदा निरोग
ना खर्चा ना कोई नुकसान है
बस स्वस्थ रहना हमें सिखाता
योग फुर्तीला शरीर बनाता है।
मोटापा डरकर इससे भागता
चमकाता हमारी काया है।
आज से ही शुरुआत तुम करो
खुशियां जीवन में लाता है।

सीमा रंगा
इन्द्रा
हरियाणा

दोषी तो हूं

पारिवारिक जिम्मेदारियों को
शायद नहीं कर सका पूरा,
खुद की नजरों में भी
रह गया है कुछ काम अधूरा,
एक अच्छा पति, या एक अच्छा पिता
कोशिश तो की बनने की पर बन नहीं पाया,
सामाजिक कर्तव्यों से
सीना तन नहीं पाया,
कुछ पारिवारिक व्यक्तियों का,
कुछ सामाजिक व्यक्तियों का,
ये एकतरफा नजरिया हो सकता है,
पर मेरा दिल ये स्वीकारने को
बिल्कुल तैयार नहीं,
मैं कोई मानसिक बीमार नहीं,
क्यों,क्यों, क्यों?
क्योंकि अपने हिस्से की लड़ाई,
एक पारिवारिक सदस्य के रूप में,
एक सामाजिक व्यक्ति के रूप में,
देश के अच्छे नागरिक के रूप में,
सतत, अनवरत मैं लड़ रहा हूं,
अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा हूं,
जो जारी रहेगा ताउम्र मृत्यु के
आगोश में जाने से पहले तक।

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़
छत्तीसगढ़

कइसे जग सिरजाये

कइसे कइसे करम बनाये,
कइसे जग सिरजाये।
भूख मरे जब जीव जनावर,
इक दूसर ला खाये।।
चिरई चिरगुन जीयत रहिथे,
चाँटी ल बीन खाये।
मरे परे रहिथे चिरई हा,
चाँटी दावत पाये।।
देख बेंदरा ला बघवा हा,
दौड़त ओला झपटे।
नील गाय अउ हिरण हाथी,
झाड़ी झुंझकुर सपटे।।
जीव जनावर मन के ये तो,
हावै रचे कहानी।
विपत परे हे देखौ संगी,
मनखे के जिनगानी।।
अपन आप ला समझे बघवा,
देख देख गुर्राये।
दया मया के गोठ बिसरगे,
कोन इहाँ समझाये।।
जीव जनावर ले जादा तो,
बाढ़े मनखे पीरा।
नइ हे कोनो समझदार अउ,
नइ हे कोनो हीरा।।
संसो के ये बात हरे जी,
कोन जनी का होही।
सुख से रइही जीव जंतु हर,
मुड़ धर मनखे रोही।।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

योग ध्यान का आधार है

योग ध्यान का आधार है।
योग ,रोगों का उपचार है।
योग तनमन का आहार है।
योग से ही आती निखार है।
योग से आत्म नियंत्रण है।
योग आत्म अनुशासन है।
योग शांति का प्रबंधन है।
योग से आत्म संतुलन है।
योग से रक्त परिसंचरण है।
योग तनमन का संरक्षण है
योग लाती लचीलापन है।
योग पुष्ट करती तनमन है।
योग बढ़ाती बुद्धि ज्ञान है।
योग से ईश्वर का ध्यान है।
योग आत्मिक अनुष्ठान है।
योग बीमारी का निदान है।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायन
छत्तीसगढ़

है पेट की तपिश के आगे सब तपिश फीकी यहाँ

खुश्क गला था,तपिश में शरीर मेरा,
हाय कैसी गर्मी थी,सीना तर बतर हुआ,
पसीना मानों कह रहा हो,
आज नहला दूंगा तुझे,
बिन बरसात ही,
तन बदन गीला हुआ,
चल रही हर तरफ आज गर्म हवाएं,
मुझे मंजिल पर जाना था,
ना कहीं मेरा रुकना हुआ,
खूयाल मजदूर का लिए,
हौसला मेरा बढ़ता गया,
वो उम्र भर चलता रहा,
मेरा तो कुछ वक्त चलना हुआ,
है पेट की तपिश के आगे,
सब तपिश फीकी यहाँ,
जब पेट की आग बुझी,
खूशनुमा चेहरा हुआ,

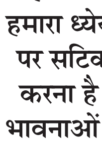

रामेश्वर देव करनाल,
हरियाणा

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

धूमधाम से निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा शहर में मंगलवार को धूमधाम से निकाली गई। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह रथयात्रा का स्वागत किया और भगवान जगन्नाथ,बलभद्र व सुभद्रा की पूजा अर्चना की। उत्कल समाज के द्वारा जगन्नाथ मंदिर केदारपुर से बाजे-गाजे व करमा नृत्य दलों के साथ भव्य रथयात्रा निकाली गई।

रथयात्रा के लिए उत्कल समाज द्वारा श्री जगन्नाथ मंदिर में कई दिनों से व्यापक तैयारियां की जा रही थी। मान्यता है कि आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के साथ अपनी मौसी के घर रहने के लिए गए थे, यहां नौ दिन रहने के बाद वापस घर लौटे थे। इसी मान्यता से वर्षों से रथयात्रा निकालने की परंपरा चल रही है। शहर के जगन्नाथ मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंचने लगी थी। समाज के विभिन्न वर्ग के लोग पूजा-अर्चना व परंपरानुसार आयोजित होने वाले धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने पहुंचे थे। यहां रथ पूजा, नेत्र उत्सव, नवग्रह पूजन, छेरापहरा के बाद पहंडीविजय का अनुष्ठान हुआ। रथ यात्रा तिवारी बिल्डिंग मार्ग से जोड़ापीपल होते चौपाटी के समीप स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुंची। यहां से कुछ देर बाद शुरू हुई रथयात्रा आकाशवाणी चौक, गांधी चौक, घड़ी चौक, संगम चौक, ब्रह्म रोड होते श्रीराम मंदिर पहुंची। यहां कुछ देर विश्राम के बाद जयस्तंभ चौक, सदर रोड, महामाया चौक, संगम चौक होते देवीगंज रोड दुर्गाबाड़ी वापस पहुंची, जहां भगवान की मौसी गुंडिचा का घर होता है। यहां नौ दिनों के लिए उन्हें बलभद्र और सुभद्रा के साथ विधि-विधान से स्थापित कर दिया गया। महाप्रभु जगन्नाथ, देवी सुभद्रा व बलभद्र सजे-धजे रथ में सवार हुए और रथयात्रा आरंभ हुई। ढोल, नगाड़े के साथ श्रद्धालु रथ के आगे झूमते, नाचते चल रहे थे, पीछे महाप्रभु की रथयात्रा में श्रद्धालु साथ थे। रथ खींचने श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। पूरे नौ दिनों तक दुर्गाबाड़ी में पूजा-अर्चना की जाएगी। इस बीच जगन्नाथ मंदिर का पट बंद रहेगा। 28 जून को महाप्रभु जगन्नाथ, देवी सुभद्रा व बलभद्र पुनः रथ में सवार होकर जगन्नाथ मंदिर वापस लौटेंगे। बाहुड़ा यात्रा के साथ मंदिर वापसी पर परंपरानुसार विविध धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को लेकर शहर में भक्ति व उल्लास का माहौल बना रहा। शांति, सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में पुलिस की ड्यूटी लगाई गई थी। शहर के अलावा संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु रथयात्रा में शामिल होने पहुंचे थे। उत्कल समाज के लोग परंपरागत तरीके से वाद्ययंत्र लेकर निकले जो आकर्षण का केंद्र रहा। रथयात्रा का रास्ते भर जगह-जगह विभिन्न समाज व संगठन के लोगों ने स्वागत किया। यात्रा में शामिल लोगों के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई थी।

फर्नीचर फैक्ट्री से वायर चोरी करने वाले दो आरोपियों पर पुलिस ने की कार्रवाई

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र में संचालित फर्नीचर फैक्ट्री के गोदाम से 20 जून की अहले सुबह दो चोर फैक्ट्री के अंदर घुसकर फेंसिंग तार चोरी कर ऑटो में भरकर ले जा रहे थे। इस दौरान फैक्ट्री संचालक की नीदं खुली तो वह दौड़ाकर पकड़ा और दोनों आरोपियों को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है। वहीं घटना में प्रयुक्त ऑटो को जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार संजीव कुमार गुप्ता शहर के देवीगंज रोड का रहने वाला है। इसका गांधीनगर थाना क्षेत्र में फर्नीचर फैक्ट्री है। 19 जून की रात को संजीव गुप्ता अपने फर्नीचर फैक्ट्री में सो रहा था। भोर में नींद खुली तो दो युवक दीवार फांदकर भाग रहे थे। बाहर जाकर देखा तो दोनों युवक फैक्ट्री से फेंसिंग तार चोरी कर ऑटो में लोड कर रहे थे। फैक्ट्री संचालक ने दोनों युवकों को पकड़ लिया और मामले की जानकारी गांधीनगर पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी मनीष केरकेट्टा निवासी बिशुनपुर गढ़हापारा गांधीनगर एवं राधेश्याम भगत निवासी निलकुठपुर कुसमी जिला बलरामपुर हालमुकाम पटपरिया गांधीनगर के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच बंडल वायर व घटना में प्रयुक्त ऑटो जब्त किया है। कार्रवाई में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक शुभम तिवारी, प्रधान आरक्षक संतोष कश्यप, मनोज मालवीय, चंद्र प्रकाश टंडन, आरक्षक उमाशंकर साहू, अरविन्द उपाध्याय, सैनिक अनिल साहू शामिल रहे।

योग दिवस से पूर्व निकाली गई जागरुकता रैली

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र अंबिकापुर में 20 जून को छात्र-छात्राओं द्वारा योग जागरूकता रैली अधिष्ठाता डॉ संतोष कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में निकाली गई। छात्र-छात्राओं द्वारा योग जागरण हेतु स्लोगन एवं नारे लगाए गए एवं लोगों को योग के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही साथ महाविद्यालय क्रीडा अधिकारी डॉ अरुण कुमार नायक द्वारा छात्रों को योग अभ्यास भी कराया गया। स्वस्थ और निरोग जीवन के लिए नियमित रूप से योग करना बहुत जरूरी है। योग करने से कई तरह की बीमारियों से मुक्ति मिलती है। योग मानव जीवन के लिए बहुत जरूरी है। इस दौरान मुख्य रूप से प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. जीपी पैकरा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. एसआर दुबोलिया, डॉ नीलम चौकसे, डॉ. पीके भगत, डॉ. रंजीत कुमार, डॉ. जहार सिंह, आर्यमां भारती एवं कर्मचारी धीरेश कुमार पांडेय, सचिन कुमार जायसवाल, विनोद एक्का उपस्थित रहे।

अभियान चलाकर सरगुजा पुलिस कर रही किरायेदारों की भौतिक सत्यापन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

आईजी रामगोपाल गर्ग व प्रभारी एसपी राजेश अग्रवाल के निर्देश पर शहर की सुरक्षा के दृष्टिकोण से कॉलोनियों, किरायेदारों की सूची तैयार कर चेकिंग अभियान चलाकर भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए थे। इसी के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला के नेतृत्व में प्रशिक्षु पुलिस अधीक्षकशुभम तिवारी एवं पुलिस टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाकर थाना अंतर्गत विभिन्न कॉलोनियों एवं हॉस्टलों की सघन जांच की गई। चेकिंग अभियान के दौरान किराए में निवासरत किरायेदारों को पहचान पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, पुलिस टीम द्वारा किरायेदारों से प्राप्त पहचान पत्र का भौतिक सत्यापन कर मकान मालिकों को किरायेदारों से संबंधित जानकारियों को थाने में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, साथ ही जिन किरायेदारों से आवश्यक दस्तावेज प्राप्त नहीं हुए थे उन्हें थाने में मुसाफिरी दर्ज कराने एवं तय समय के भीतर सभी आवश्यक दस्तावेज जमा करने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में पुलिस टीम द्वारा थाना अंतर्गत विभिन्न हॉस्टलों की चेकिंग कर हॉस्टल में निवासरत युवक, युवतियों की जानकारी भी प्राप्त की गई। साथ ही मकान मालिकों एवं हॉस्टल संचालकों को किसी किरायदार के संदिग्ध आचरण पर उनकी जानकारी सरगुजा पुलिस सम्बंधित थाने को देने की समझाईस दी गई। संपूर्ण कार्रवाई में प्रशिक्षु पुलिस अधीक्षक शुभम तिवारी, उपनिरीक्षक आरपीसाहू, सहायक उप निरीक्षक अनिल पांडेय, महिला प्रधान आरक्षक राधा यादव, प्रधान आरक्षक मदन गोपाल परिहार, महिला आरक्षक त्रिलोचनी राजवाड़े, आरक्षक उमा शंकर साहू, अजय मिश्रा, बलबीर मिंज, आर. एन लकड़ा, सैनिक अनिल साहू शामिल रहे।

आगजनी से भूसा हुआ खाक, मित्तल राईस मिल में हुई घटना

- संवाददाता -
सूरजपुर,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

नयनपुर औद्योगिक परिक्षेत्र में स्थापित मित्तल राइस मिल में भूसे के ढेर में आग लग जाने से लगभग तीस लाख से ऊपर की क्षति राइस मिलर को हो गई है।नगर सेना की फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत कर धधकती आग को किसी तरह से काबू किया।हालांकि आग लगने से मिलर का पूरा भूसा जल कर खाख हो गया।मिली जानकारी के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र नयनपुर में मित्तल राइस मिल का संचालक नीरज कुमार मित्तल के द्वारा किया जाता है।इन दिनों शासन की कस्टम मिलिंग का कार्य प्रगति पर है और तीन शिफ्ट में मिले चल रही है।इसी दौरान दो दिन पूर्व राइस मिल परिसर के पीछे चारदीवारी के अंदर उठे धुंवे को देखकर कर्मचारियों ने मिल संचालक को सूचना दी। जिस पर आनन-फानन में आग बुझाने के प्रयास प्रारंभ हो गए। तत्काल मौके पर पहुंची जिला नगर सेना के फायर ब्रिगेड ने बड़ी मशक्कत करने के बाद उसे में लगी आग को काबू पाया है और भूसे के ढेर में लगी आग ठंडी हो पाई है। आगजनी की इस घटना से राइस मिलर का पूरा भुसा जलकर राख हो गया है। उल्लेखनीय है कि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है परंतु ऐसी आशंका व्यक्त की जा रही है कि किसी असामाजिक तत्व या अन्य कारणों से आग लगी है। बहरहाल आग लगने की इस घटना से आसपास के अन्य औद्योगिक इकाईयों और राइस मिल संचालक भी सावधान व सचेत हो गए हैं।पूर्व में भी नयनपुर परिक्षेत्र में चोरी इत्यादि घटनाओं को लेकर वहां के उद्योगों के संचालको ने थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई है और खुद चोरों को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया है।

पत्नी की हत्या करने वाले पति को चौकी उमेश्वरपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

सीएचसी प्रेमनगर के वार्ड व्याय देवनारायण ने दिनांक 19.06.23 को चौकी उमेश्वरपुर में मृतिका सीमा प्रजापति का मृत्यु की सूचना मेमो लाकर पेश करने मर्ग कायम किया गया। मर्ग जांच के दौरान मृतिका के परिजन ने बताया कि मृतिका का पति ओमप्रकाश के द्वारा उसे मारपीट किया जाता था। पीएम रिपोर्ट में डॉक्टर के द्वारा मृतिका की मृत्यु का कारण हत्यात्मक लेख किए जाने पर ओम प्रकाश के विरूद्ध अपराध क्रमांक 59/23 धारा 302 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया।

पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज रामगोपाल गर्ग के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक आई कल्याण एलिसेला ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। चौकी उमेश्वरपुर पुलिस ने विवेचना करते हुए आरोपी ओमप्रकाश प्रजापति पिता फझ्झू प्रजापति उम्र 33 वर्ष निवासी जयपुर, चौकी सलका उमेश्वरपुर को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि 18 जून को सुबह राशन कार्ड केवाईसी कराने जाने के लिए पत्नी देर कर रही थी तब डण्डा से मारपीट किया तथा रात्रि में भी मारपीट किया जिससे वह बेहोश हुई और मर गई। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आलाजरब जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रेमनगर रूपेश कुंतल, चौकी प्रभारी उमेश्वरपुर मनी प्रसाद राजवाड़े, प्रधान आरक्षक चित्रभान सिंह, जगजीत, आरक्षक विक्रम सिंह, राकेश, सुरेन्द्र सिंह, मनोज जायसवाल, शिवशंकर सिंह व गणेश सिंह सक्रिय रहे।

फायर सेफ्टी को लेकर कलेक्टर - व्यापारिक संगठन के साथ की बैठक

» जिला प्रशासन द्वारा चलाया जाएगा फायर सेफ्टी सप्ताह
» व्यावसायिक भवनों, अस्पताल,स्कूल,फैक्ट्री आदि में फायर सेफ्टी का होगा ऑडिट
» फायर सेफ्टी को लेकर चलेगा जागरूकता अभियान

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष फायर सेफ्टी को लेकर चैम्बर ऑफ कॉमर्स के साथ बैठक आयोजित हुई। कलेक्टर ने फायर सेफ्टी को लेकर जिला अग्निशमन अधिकारी और मौजूद पदाधिकारियों एवं व्यापारियों से चर्चा की। कलेक्टर कुन्दन ने नगर निकाय क्षेत्र अंतर्गत व्यावसायिक भवन, अस्पताल, विद्यालय, फैक्ट्री, आवासीय भवन, होटल इत्यादि का फायर सेफ्टी ऑडिट करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शासकीय भवनों में भी लगे अग्नि सुरक्षा उपकरण, बेसमेंट, फायर एक्जिट आदि निरीक्षण करते हुए व्यवस्थित किया जाए। साथ ही सभी संस्थानों के संचालक और मैनेजर को भी अग्निशमन हेतु प्रशिक्षित किया जाए जिससे प्राथमिक बचाव उनके द्वारा किया जा सके। इससे जिले में आग लगने की घटना पर रोकथाम किया जा सकता है। कलेक्टर ने इस प्रक्रिया को फायर सेफ्टी सप्ताह के रूप में चलाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बैठक में चर्चा करते हुए रहवासी क्षेत्र में संचालित गैस गोदाम को एक महीने के अंदर स्थानांतरण करने के लिए संबंधितों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार के भवनों में फायर सेफ्टी ऑडिट किया जाएगा। उन्होंने सर्व संबंधितों को एक सप्ताह के अंदर अग्निशमन मानदंडों को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान जिला अग्निशमन अधिकारी ने 15 बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित कराते हुए कहा कि पूर्व में निगम में 7 फायर पॉइंट बनाए गए हैं जिनका उपयोग किया जा रहा है। वाहनों में आग लगने की दुर्घटना से बचाव के लिए वाहन मालिकों से फायर सेफ्टी यंत्रों का इस्तेमाल करने और जिला परिवहन अधिकारी से इस संबंध में कार्यवाही करने की बात कही। ऐसे पहुंचविहीन मोहल्ले जहां संकरी गलियों के कारण अग्निशामक वाहन नहीं पहुंच पाते, इस स्थिति में ऐसी जगहों पर वैकल्पिक व्यवस्था की जाती है। भविष्य में ऐसा न हो, इसलिए भवन निर्माण के दौरान अग्निशमन विभाग के अनापत्ति प्रमाण पत्र को अनिवार्य करने, और बिजली के तारों को 20 फिट से ऊपर रखने का सुझाव दिया गया जिससे अग्निशामक वाहन आसानी से घटना स्थल पर पहुंच सके।

प्रियंका पैकरा राष्ट्रीय ड्रॉप रोबॉल कोचिंग व रेफरी सेमिनार में होगी शामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिला की प्रतिभाशाली व उत्कृष्ट अंतरराष्ट्रीय ड्रॉप रोबॉल खिलाड़ी प्रियंका पैकरा छत्तीसगढ़ राज्य की प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार श्रीनगर, जम्मू- कश्मीर सम्मलित हुई। जहां राष्ट्रीय स्तर पर ड्रॉप रोबॉल कोचिंग व रेफरी सेमिनार आयोजित था। यह सेमिनार का आयोजन भारतीय ड्रॉप रोबॉल संघ के व जम्मू कश्मीर ड्रॉप रोबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। अंतरराष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह बताया कि यह सेमिनार में सरगुजा जिला से पहली बार प्रियंका पैकरा सम्मलित हुई। इस सेमिनार के लिए प्रियंका पैकरा को आर्थिक मदत ड्रॉप रोबॉल एसोसिएशन आफ सरगुजा के अध्यक्ष इंजी. सोमनाथ सिंह द्वारा किया गया। साथ ही यह बताया कि इस खेल प्रियंका पैकरा कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता खेली है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रियंका पैकरा अपनी एक अलग पहचान बना चुकी है। ड्राप रोबॉल एसोसिएशन आफ सरगुजा के सचिव रजत सिंह ने इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई दी और प्रियंका पैकरा का इस सेमिनार सम्मलित होकर आने पर सरगुजा जिला में इस खेल बारिकियों के साथ प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मानवता हुई शर्मसार,झोले में मिला नवजात का शव,खा रही थीं चीटियां

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

शहर से एक बार फिर मानवता व ममता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। किसी ने अपने नवजात बच्चे का शव दफन करने की जगह खुले में झोले में डालकर फेंक दिया। शहर के जोड़ा तालाब के पास कबाड़ बीनने पहुंचे व्यक्ति ने झोले में नवजात का शव देख शोर मचाया। सूचना पर डायल 112 व कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। नवजात का शव चीटियां खा रही थीं। इसके बाद पुलिस ने शव को बरामद कर पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया।

कुछ लोगों का कृत्य मानवता को शर्मसार करने वाला होता है। इनमें ऐसे लोग भी शामिल होते हैं जो अपने नवजात बच्चे का भी अंतिम संस्कार नहीं करते। उन्हें झाडियों में, प्लास्टिक या झोले में बांधकर कहीं भी या नाली व तालाब में फेंक देते हैं। ऐसा ही एक मामला अंबिकापुर के शीतला वार्ड स्थित जोड़ा तालाब के पास से सामने आया है। मंगलवार की सुबह जोड़ा तालाब के पास कबाड़ बीनते हुए एक व्यक्ति पहुंचा। उसकी नजर वहां फेंके गए नए झोले पर पड़ी तो वह उसे उठाने पहुंच गया। झोले को जैसे ही उसने उठाना चाहा, भीतर नवजात का शव देख उसके होश उड़ गए। उसने शोर मचाया तो आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और डायल-112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। इस संबंध में सीएसपी स्मृतिक राजनाला ने कहा कि पुलिस नवजात के माता-पिता की तलाश में जुट गई है। यह पता करने की कोशिश की जा रही है कि आखिर किसने झोले में नवजात का शव रखा है।इस घटना के महीनेभर पूर्व भी बिही बाड़ी के पास एक जर्जर शासकीय क्वार्टर के पास नवजात बालक का शव मिला था। शव को कुत्तों ने नोंच खाया था। इस मामले में भी नवजात के माता-पिता का पता नहीं चल पाया है। गौरतलब है कि शहर के अस्पतालों के आस-पास आए दिन नवजात बच्चों का शव मिलने की खबरें सामने आती रहती हैं।

संयुक्त सत्र के संबोधन में पीएम मोदी का स्वागत करेंगे ये सांसद;व्हाइट हाउस में डिनर के लिए भी आमंत्रण

वाशिंगटन,20 जून 2023। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा के लिए दिल्ली से रवाना हो चुके हैं। वे वहां 22 जून को अमेरिकी संसद के साझा सत्र को संबोधित करेंगे। इस दौरान, उनके साथ हिंदू कॉकस बनाने की अपनी योजना का एलान करने के बाद चर्चा में आए भारतीय अमेरिकी सांसद श्री थानेदार भी रहेंगे। इसके अलावा, मिशिगन के 13वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले पहली बार के डेमोक्रेटिक सांसद को पीएम मोदी के सम्मान में व्हाइट हाउस में होने वाले डिनर के लिए भी आमंत्रित किया गया है। खुद राष्ट्रपति जो बाइडन ने उन्हें आमंत्रित किया है।

संयुक्त सत्र तक पीएम मोदी को लेकर जाएगें थानेदार

डेमोक्रेटिक सांसद थानेदार ने यह भी बताया कि अमेरिकी कांग्रेस नेतृत्व के अनुरोध के अनुसार उन्हें भारतीय प्रधानमंत्री को कांग्रेस में उनके संयुक्त संबोधन सत्र में ले जाने का विशेष कार्य सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि यह भूमिका उनके लिए विशेष महत्व रखती है। इस दौरान थानेदार ने संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच मजबूत संबंधों की वकालत करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।

व्हाइट हाउस में होने वाले डिनर के लिए भी मिला है निमंत्रण

पीएम मोदी की यात्रा को लेकर भारतीय अमेरिकी सांसद ने कहा

कि वह और उनकी पत्नी शशि प्रधानमंत्री मोदी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह प्रधानमंत्री के लिए एक ऐतिहासिक घटना है। मुझे आशा है कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका-भारत संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में भी कदम उठाएंगे। इस दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस में होने वाले डिनर में सपरिवार आमंत्रित करने के लिए आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि वे इसे पाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह निमंत्रण सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए उनके समर्पण के लिए एक प्रतीक के रूप में है।

यूएन मुख्यालय में करेंगे योग

विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने पीएम के अमेरिका-मिस्र दौरे की जानकारी देते हुए कहा कि पीएम मोदी 21-23 जून तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। पीएम के आधिकारिक दौरे की शुरुआत 21 जून की सुबह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में योग दिवस समारोह से होगी। वह कई बड़े नेताओं से मुलाकात भी करेंगे।

राजकीय यात्रा से पूर्व अमेरिका में भारी उत्साह

पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा से पहले भारतीय-अमेरिकियों के एक बड़े हिस्से में खुशी और उत्साह का माहौल है। सैकड़ों भारतवंशी देश के प्रमुख स्थानों पर एकत्र हुए और मोदी के समर्थन में नारेबाजी की। वाशिंगटन डीसी व उसके आसपास के क्षेत्रों में सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी एकता का संदेश देने के लिए राष्ट्रीय स्मारक के पास जुटे व जुलूस निकाला।

मिस्र दौरा : अल-हकीम मस्जिद जाएंगे पीएम

अमेरिका के अपने दौरे के बाद पीएम 24-25 जून को मिस्र जाएंगे। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के निमंत्रण पर यात्रा कर रहे हैं। वे यहां 11वीं सदी की वोहरा समुदाय की अल-हाकिम मस्जिद जाएंगे। वह यहां प्रथम विश्व युद्ध के दौरान मिस्र के लिए लड़ते हुए बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे। साथ ही कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी करेंगे।

फ्रांस के राष्ट्रपति ने रग्बी क्लब में पी बीयर,वीडियो सामने आने के बाद हो रही तीखी आलोचना

पेरिस,20 जून 2023। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह एक रग्बी क्लब में बीयर पीते नजर आ रहे हैं। इसे

लेकर फ्रांस में तीखी बहस छिड़ गई है। दरअसल वीडियो में दिख रहा है कि फ्रांस के राष्ट्रपति एक बार में ही बीयर की पूरी बोतल पीते दिख रहे हैं और वहां मौजूद अन्य लोग उन्हें बीयर पीते हुए चीयर कर रहे हैं। इसे लेकर बहस छिड़ गई है कि राष्ट्रपति शराब के सेवन और मर्दानगी का भौंडा प्रदर्शन कर रहे हैं।

राष्ट्रपति का वीडियो वायरल होने के बाद छिड़ी बहस

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां टोलोज रग्बी टीम के ड्रेसिंग रूम पहुंचे थे, जहां उन्होंने महज 17 सेकेंड में बीयर की पूरी बोतल खत्म कर दी। राष्ट्रपति की इस वीडियो पर सोशल मीडिया में खूब टिप्पणी की जा रही है। फ्रांस की एक सांसद ने इसे राजनीतिक नेतृत्व द्वारा मर्दानगी का भौंडा प्रदर्शन करार दिया है। कुछ लोग राष्ट्रपति का समर्थन भी कर रहे हैं।

कुछ लोगों का कहना है कि राष्ट्रपति एक रोल मॉडल हैं और उन्हें देश के लोगों के साथ उदाहरण पेश करना चाहिए और स्वस्थ जीवनशैली और खानपान की आदतों को बढ़ावा देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इमैनुएल मैक्रां फ्रांस की शराब इंडस्ट्री के समर्थक माने जाते हैं और एक बार उन्होंने कहा था कि वह हर दिन लंच और डिनर के साथ शराब का सेवन करते हैं।

टाइटैनिक टूरिस्ट पनडुब्बी लापता:अटलांटिक महासागर में सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू

न्यूफाउंडलैंड,20 जून 2023। टाइटैनिक के मलबे को देखने के लिए लोगों को ले जाने वाली पनडुब्बी अटलांटिक महासागर में लापता हो गई है। पनडुब्बी को ट्रैक करने के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू हो गया है।

यह स्पष्ट नहीं है कि जिस समय पनडुब्बी लापता हुई उस समय उसमें कितने लोग सवार थे। टाइटैनिक के मलबे को देखने के लिए छोटी पनडुब्बी कभी-कभी पर्यटकों और विशेषज्ञों को ले जाती हैं। इसके लिए पैसा लिया जाता है। टाइटैनिक के मलबे तक की यात्रा में हजारों डॉलर खर्च होते हैं। टाइटैनिक के तक पहुंचने और वापस आने में करीब आठ घंटे लगते हैं।

टाइटैनिक का मलबा अटलांटिक महासागर के तल पर 3,800 मीटर (12,500 फीट) नीचे है। मलबा कनाडा के न्यूफाउंडलैंड के तट से लगभग 600 किमी (370 मील) दूर है।

1912 में डूब गया था टाइटैनिक जहाज

अपने समय का सबसे बड़ा जहाज टाइटैनिक 15 अप्रैल 1912 को साउथेम्प्टन (इंग्लैंड) से न्यूयॉर्क तक अपनी पहली यात्रा पर रवाना हुआ और एक आईसबर्ग (हिमखंड) से टकरा गया था। जहाज पर सवार 2,200 यात्रियों और क्रू में से 1,500 से अधिक की मौत हो गई थी।

समुद्र में इसके मलबे की खोज 1985 में की गई थी। तब से, इसकी बहुत खोजबीन की गई है।

फरवरी में जारी किया गया था वीडियो

इस साल फरवरी में मलबे की पिछली यात्राओं में से एक का वीडियो जनता के लिए जारी किया गया था। इसमें 80 मिनट के अनकट फुटेज थे। फिर मई में जहाज के मलबे का का पहला फुल साइज 3डी स्कैन प्रकाशित किया गया था। हाई रिज़ॉल्यूशन इमेजेस में मलबे को रीकंस्ट्रक्ट किया गया। इसके लिए डीप सी मैपिंग तकनीक का उपयोग किया गया। 2022 में डीप-सी मैपिंग कंपनी मैगलन लिमिटेड और अटलांटिक प्रोडक्शंस जो प्रोजेक्ट को लेकर डॉक्यूमेंट्री बना रहे हैं, ने फिर रीकंस्ट्रक्शन किया। अटलांटिक के तल पर जहाज के मलबे का सर्वेक्षण करने में 200 घंटे से अधिक समय व्यतीत करने वाले विशेषज्ञों ने रिमोटली कंट्रोल्ड पनडुब्बी से स्कैन बनाने के लिए 7 लाख से अधिक फोटो लिए थे। साउथेम्प्टन, इंग्लैंड से न्यूयॉर्क तक अपनी पहली यात्रा पर एक हिमखंड से टकराने के बाद लग्जरी यात्री लाइनर डूब गया था।

न्यूज़ीलैंड के तीन चीनी रेस्टोरेंट में ग्राहकों पर कुल्हाड़ी से हमला,तीन घायल;आरोपी गिरफ्तार

ऑकलैंड,20 जून 2023। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एक व्यक्ति एक के बाद एक तीन चीनी रेस्टोरेंट में कुल्हाड़ी लेकर घुस गया और वहां बैठे लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में चार लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, एक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है तो वहीं बाकी तीन की हालत स्थिर बनी हुई है।

स्थानीय मीडिया के हवाले से पता चला है कि आरोपी ने सोमवार रात नौ बजे के करीब तीन चाइनीज रेस्टोरेंट झांगलियांग मालातांग, यूस डंपलिंग किचन और माया हॉटपॉट में जाकर वहां मौजूद लोगों पर कुल्हाड़ी से हमला करने लगा।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने न्यूजीलैंड के स्थानीय समाचार संगठन के रेडियो स्टेशन को बताया कि वह अपने दोस्त के साथ माया हॉटपॉट में खाना खा रही थी, तभी एक व्यक्ति उसकी दोस्त के पास आया और हमला कर दिया। उसने बताया कि इस घटना को देखकर वहां मौजूद सभी लोग खड़े हो गए। उनमें से एक चिल्लाकर पूछा तुम ये क्या और क्यों कर रहे हो?

न्यूजीलैंड पुलिस ने इस मामले में एक 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। उसे लोगों को गंभीर रूप से शारीरिक नुकसान पहुंचाने के मामले में मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

ग्रीस नौका हादसे में 300 पाकिस्तानी नागरिकों के मारे जाने की आशंका

PAK में भारी बारिश से 7 की मौत

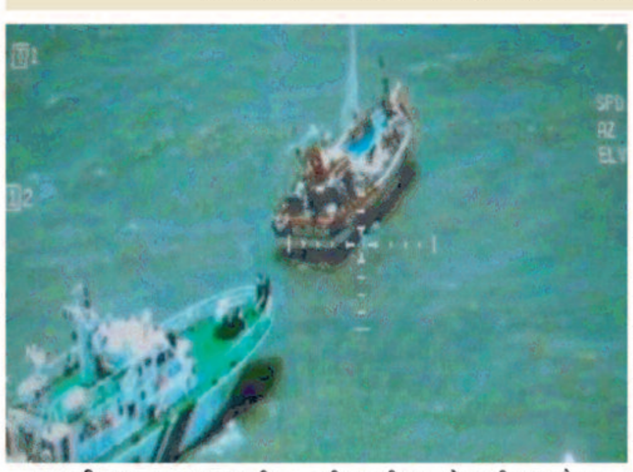

कराची,20 जून 2023। ग्रीस (यूनान) में हाल में हुए भीषण नौका हादसे में 300 से ज्यादा पाकिस्तानी नागरिकों के मारे जाने की आशंका है। हादसे के बाद पाकिस्तान सरकार ने मानव तस्करों पर नकेल कसते हुए देश के विभिन्न हिस्सों से 12 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है।

करीब 750 लोगों को लेकर जा रही मछली पकड़ने वाली एक नौका के यूनान तट के पास डूबने से कई लोग मारे गए थे। अबतक 12 पाकिस्तानी जीवित पाए गए हैं। हादसे ने यूरोपीय देशों में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश कर रहे पाकिस्तानियों की दुर्दशा को उजागर किया। नौका पर 400 पाकिस्तान के, 200 मिस्र के व 150 सीरिया के नागरिक सवार थे।

पाकिस्तान में भारी बारिश से 7 की मौत

पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी के अलावा बन्नू डिवीजन के तीन जिलों में भारी बारिश के बाद कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 72 अन्य घायल हो गए। बन्नू के आयुक्त परवेज सबतखेल ने डॉन अखबार को बताया कि बन्नू, लक्की मरवत और उत्तरी वजीरिस्तान जिलों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। उनके अनुसार, बन्नू जिले में तीन मौतें और 51 घायल हुए, जबकि लक्की मारवत जिले में एक मौत और 16 घायल हुए। उत्तरी वजीरिस्तान जिले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। नुकसान का आकलन करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में टीमें भेजी गई हैं।

शाही परिवार की बात को समझना लोगों के लिए मुश्किल

प्रिंस हैरी से अनबन के बीच बड़े भाई विलियम का बयान

लंदन,20 जून 2023। ब्रिटेन के राजपरिवार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। ड्यूक ऑफ ससेक्स प्रिंस हैरी और प्रिंस ऑफ वेल्स प्रिंस विलियम की अनबन जगजाहिर है। वहीं, ब्रिटेन में किंग चार्ल्स III के राज्याभिषेक से पहले राजपरिवार को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा था। इस बीच, प्रिंस ऑफ वेल्स प्रिंस विलियम ने कहा है कि शाही परिवार की बात को समझना लोगों के लिए कभी-कभी कठिन होता है। एक इंटरव्यू में उन्होंने यह दावा किया। इसके अलावा इसमें उन्होंने यूनाइटेड किंगडम में बेघर लोगों के लिए किए जा रहे अपने कामों के बारे में भी बताया।

इंटरव्यू में प्रिंस ऑफ वेल्स प्रिंस विलियम ने बेघर लोगों की समस्याओं को खत्म करने और उन्हें घर मुहैया कराने के लिए अपने पांच साल की योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हम सभी बहुत काम कर रहे हैं। इस दौरान, ड्यूक ऑफ ससेक्स के साथ चल रही अनबन को लेकर कहा कि कभी कभी यह देखना मुश्किल होता है कि हमारा परिवार क्या करता है और हम क्या करते हैं। प्रिंस विलियम ने आगे कहा कि वह लोगों की मदद कर सकते हैं और वे ऐसा करना जारी रखेंगे।

आगे उन्होंने अपने सार्वजनिक आवास अभियान के बारे में भी जानकारी साझा की। उन्होंने प्रिंस जॉर्ज, प्रिंस लुइस और प्रिंसेस शार्लोट को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि तीनों बड़े होकर इस बारे में गहराई से जानें। उन्होंने बेघर लोगों के लिए जा रहे कामों के बारे में कहा कि मुझे लगता है कि जब मैं इसे उनकी स्कूली शिक्षा के साथ संतुलित कर सकता हूं, तो वे निश्चित रूप से इसके संपर्क में आएंगे। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब हम लंदन में थे तो हम नियमित रूप से सुपरमार्केट के बाहर बैठे लोगों को देखते थे और हम इसके बारे में बात करते थे। तब बच्चों ने भी सड़क पर रहने वाले लोगों को लेकर उनसे सवाल किया था। पूछा कि वे वहां क्यों रह रहे हैं।

प्रिंस विलियम ने कहा, मुझे लगता है कि यह हमारे सभी हितों में है, यह करना सही काम है। उन्होंने कहा कि हममें से कुछ बहुत भाग्यशाली हैं, हममें से कुछ को थोड़ी मदद की जरूरत है। हममें से कुछ को थोड़ा और करने की जरूरत है जहां हम दूसरों की मदद कर सकें उनके जीवन में सुधार करें।

गौरतलब है कि प्रिंस विलियम की यह टिप्पणी उनके भाई, ड्यूक ऑफ ससेक्स के साथ चल रही अनबन और पिछले महीने उनके पिता किंग चार्ल्स III के राज्याभिषेक से पहले राजशाही का लोगों द्वारा विरोध किए जाने के बीच आई थी। किंग चार्ल्स III के राज्याभिषेक के समय भी सामने आया था कि विलियम नहीं चाहते थे कि प्रिंस हैरी यानी उनके छोटे भाई को राजतिलक समारोह में आमंत्रित किया जाए।

कनाडा पुलिस को असिनिबाइन नदी के पास मिला शव;लापता भारतीय छात्र का होने की आशंका

ओटावा,20 जून 2023। कनाडा में पुलिस को रविवार को असिनिबाइन नदी के पास एक शव मिला है। पुलिस का कहना है कि ये शव बीते सप्ताह मैनिटोबा शहर से लापता हुए भारतीय छात्र का विषय पटेल का है। हालांकि उसकी पहचान की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रविवार शाम मैनिटोबा प्रांत में ब्रैंडन सिटी के पूर्व में असिनिबाइन नदी और राजमार्ग 110 पुल के पास आपातकालीन जांच कर्मियों को एक शव मिला था। जांच कर्मियों का मानना है कि शव असिनिबाइन कम्युनिटी कॉलेज के छात्र विषय पटेल का है। बता दें कि विषय पटेल भारत के गुजरात का है। वह शुक्रवार सुबह से लापता हो गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विषय पटेल के परिजनों ने शनिवार सुबह ब्रैंडन पुलिस को उसके लापता होने की सूचना दी थी।

बताया जा रहा है कि विषय पटेल के परिवार के सदस्यों ने भी इलाके में उसकी खोज की थी। इसके बाद रविवार शाम असिनिबाइन नदी के पास उसके कपड़े पाए गए। इसके बाद आपातकालीन सेवा कर्मियों ने इलाके की तलाशी ली और उन्हें एक शव मिला था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय छात्र विषय पटेल को एक ग्रे होंडा सिविक कार में अपने घर से निकलते हुए देखा गया था। हालांकि अधिकारियों ने अभी तक मृत व्यक्ति की पहचान की पुष्टि नहीं की है। इस बीच, एक चश्मदीद ने पुलिस को बताया कि उन्होंने पटेल को रिवरबैंक डिस्कवरी सेंटर मैदान की ओर जाते हुए देखा था।

वहीं, इस मामले में मुख्य चिकित्सा परीक्षक कार्यालय ने कहा है कि अधिकारी जांच जारी रखेंगे। वहीं, विषय पटेल के एक मित्र ने बताया है कि वह बीते कुछ सालों से एक अंतरराष्ट्रीय छात्र के रूप में असिनिबाइन कम्युनिटी कॉलेज में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।

डेढ़ करोड़ साल पहले मनुष्यों की तरह काम करने लगा था बंदरों का दिमाग, खोपड़ियों के अवशेषों से हुआ खुलासा

सिडनी,20 जून 2023। करीब डेढ़ करोड़ वर्ष पहले बंदरों के मस्तिष्क में ऐसे बदलाव आने शुरू हुए, जिससे उनका दिमाग मनुष्यों की तरह काम करने लगा था। इन बदलावों के कारण उन्होंने खुदा को ढाला और ज्यादा समय जमीन पर बिताना शुरू किया। वैज्ञानिकों ने 3.6 करोड़ साल पुरानी खोपड़ियों के अवशेषों से मौजूदा बंदरों के मस्तिष्क की तुलना के बाद यह पता लगाया है।

ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में बंदरों के वातावरण के मुताबिक खुद को ढालने के बारे में यह दिलचस्प शोध किया है। अध्ययन के नतीजे दिखाते हैं कि कनपटी के पास का हिस्सा यानी वह भाग जो याददाश्त और संवाद जैसे कार्यों के लिए जिम्मेदार होता है, प्राचीन बंदरों के मस्तिष्क में छोटा होता था। जब कनपटी के पास का हिस्सा बड़ा होना शुरू हुआ तो उनके मस्तिष्क का आकार भी दूसरी प्रजातियों के बराबर होने लगा। इसी के सहारे वे शिकारियों की आवाजें भी पहचान पाते हैं।

सरगुजा संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय का भ्रष्टाचार,शिक्षक संघ विरोध में आने लगे सामने

» 23 जून को शिक्षक संघ करेगा बैठक, भ्रष्टाचार को लेकर शिकायत की रणनीति पर होगा विचार

» वरिष्ठ शिक्षकों की जगह कनिष्ठ शिक्षकों को मनचाही पदस्थापना देने का मामला अब पकड़ने लगा है तूल

» पैसे लेकर संशोधन के नाम पर हुआ है बड़ा भ्रष्टाचार,करोड़ों का हुआ है लेनदेन का खेल

» वरिष्ठ शिक्षकों ने शुरू में ही दर्ज की थी शिकायत, शिकायत करने वालों को डराने किया गया था निलंबित

» क्या शिक्षकों को डराकर कराया गया चुप,अब संशोधन कर करोड़ों की वसूली की गई पूरी

» वरिष्ठ कई शिक्षकों ने पदोन्नति पदस्थापना प्रकिया में धांधली की वजह से नहीं ली पदोन्नति

» संशोधन करने और फर्जीवाड़ा करने आपसी सहमति दर्शाने भी खेला गया बड़ा खेल

» जिन शिक्षकों से पैसा लिया गया उन्हे पहले पदस्थ किया गया अन्य जिलों में,बाद में आपसी सहमति दर्शाकर किया गया भ्रष्टाचार ?

» कलेक्टर सरगुजा ने मामले में लिया संज्ञानःसूत्र,जवाब मांगने की बात आ रही सामने

- विशेष संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जून 2023
(घटती-घटना)।

संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा कार्यालय का भ्रष्टाचार आखिर शिक्षक संघों ने संज्ञान में लिया और अब शिक्षक संघ मामले में विरोध दर्ज करने लामबंद होने जा रहें हैं जिसके लिए शिक्षक संघ 23 जून को बैठक करेंगे और मामले की शिकायत शिक्षा मंत्री सहित संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा से करेंगे। शिक्षक पदोन्नति मामले में शिक्षक संघ ने भी बड़े भ्रष्टाचार का अंदेशा जताया है और उनकी मांग है की मामले की जांच की जाए और दोषियों पर कार्यवाही की जाए वहीं पूरे मामले में खुद संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा की भूमिका ही संदिग्ध है और पदोन्नति पदस्थापना के पश्चात बड़े स्तर पर हुए पदोन्नति पदस्थापना संशोधन से इसकी पुष्टि भी होती है।

बताया जा रहा है की काउंसलिंग से की गई पदोन्नति पदस्थापना में पैसे लेकर संशोधन का खेल खेला गया और करोड़ों रुपए शिक्षकों से वसूली कर लिए गए। एक एक शिक्षक जिन्हे मनचाही पदस्थापना लेनी थी उनसे डेढ़ से दो लाख वसूले गए और उनको मनचाही पदस्थापना प्रदान की गई वहीं जिन्होंने पैसे नहीं दिए उन्हे दूरस्थ स्कूलों में भेजा गया और उनके लिए संशोधन का दरवाजा भी बंद रखा गया। मामले में गड़बड़ी की आशंका पर जिन शिक्षकों ने विरोध दर्ज किया उन्हे संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा ने निलंबित कर भयभीत किया और जब भय कायम हो गया संशोधन आदेश जारी कर दिया गया जिसके बाद अब अन्य दूरस्थ पदस्थापना पाए शिक्षक खुद को ठगा महसूस कर रहें हैं और वह पूरी व्यवस्था को ही कोश रहें हैं वहीं पूरे मामले में यह भी सवाल खड़ा होता है की क्या इतने बड़े भ्रष्टाचार की जांच होगी भी या मामले को रफा दफा कर दिया जाएगा और करोड़ों का भ्रष्टाचार अपना उद्देश्य पूरा करेगा।

वरिष्ठ शिक्षकों का हक छीनकर कनिष्ठ शिक्षकों को पैसों के दम पर हक प्रदान किया गया

सरगुजा में शिक्षक पदोन्नति पदस्थापना मामले में यदि जांच की गई तो एक बड़े भ्रष्टाचार का मामला सामने आएगा और पता चल सकेगा की किस तरह वरिष्ठ शिक्षकों का हक छीनकर कनिष्ठ शिक्षकों से पैसा लेकर उन्हे वह हक प्रदान कर दिया गया और मामले में सब कुछ जानकर भी जिम्मेदार मौन बने रहे और शिक्षक दो तरफ से ठगे गए। संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा कार्यालय का यह भ्रष्टाचार जिस दबंगई से किया गया उससे यह भी साफ हो गया की मामले में संयुक्त संचालक सहित ऊपर के भी जिम्मेदार लोग पूरे मामले में शामिल रहे जिन्होंने भ्रष्टाचार की पहली शिकायत पर भी संज्ञान नहीं लिया और भ्रष्टाचार पूरी तरह अपना असर दिखा गया। मामले में जो बड़ा पहलू है वह यह है की भ्रष्टाचार की वजह से कई पात्र शिक्षक पदोन्नति से वंचित रह गए वहीं अपात्र या कनिष्ठ पदोन्नति पा गए वह भी मनचाही पदस्थापना के साथ।

कनिष्ठ शिक्षकों से पैसा लेकर वरिष्ठ शिक्षकों को पदोन्नति से किया गया वंचित

सरगुजा संयुक्त संचालक कार्यालय द्वारा आयोजित पदोन्नति पदस्थापना काउंसलिग में भ्रष्टाचार करने के लिए जो रास्ता अपनाया गया उससे वरिष्ठ एवं पात्र शिक्षकों को पदोन्नति से वंचित होना पड़ा वहीं जिन्होंने पैसा दिया डेढ़ से दो लाख उन शिक्षकों को वह पदस्थापना मिल सकी जिनपर वरिष्ठ शिक्षकों का हक था। वरिष्ठता सूची अनुसार वरिष्ठ शिक्षक को पहले पदस्थापना स्थल चुनने का प्रावधान काउंसलिंग नियम के अनुसार दिया गया था लेकिन नियम को दरकिनार किया गया और पैसा लेकर पदस्थापना बेच दिया गया जिससे वरिष्ठ शिक्षकों ने पदोन्नति से ही इंकार कर दिया और इस तरह करोड़ों का भ्रष्टाचार पूरा हो सका।

गर्मी की छुट्टियों में जारी हुआ पदस्थापना संशोधन आदेश,बंद स्कूल खुलवाकर संशोधन प्राप्त शिक्षकों ने किया कार्यभार ग्रहण

भ्रष्टाचार का पूरा खेल खेलने के लिए संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा ने गर्मी की छुट्टियों का इंतजार किया और पुरे मामले में पूरा धैर्य रखा और जब विरोध करने वाले और भ्रष्टाचार की बात करने वाले वरिष्ठ शिक्षक गर्मी की छुट्टियों में व्यस्त हो गए पैसे लेकर संशोधन का खेल खेला गया। संशोधन गर्मी की छुट्टियों में बड़े गुपचुप तरीके से किया गया और संशोधन के बाद संयुक्त संचालक शिक्षा ने जिनका भी संशोधन किया उन शिक्षकों के लिए गर्मी की छुट्टियों ने स्कूल खुलवाए और कार्यभार ग्रहण कराया। कुलमिलाकर भ्रष्टाचार का खेल पूरी ईमानदारी से खेला गया और जिनसे भी पैसा लिया गया उन्हे कार्यभार ग्रहण करने पूरी व्यवस्था आसानी से उपलब्ध कराई गई।

भ्रष्टाचार का बड़ा खेल आपसी सहमति बनाकर भी किया गया फर्जीवाड़ा,प्लान कई स्तर पर था तैयार

भ्रष्टाचार का यह बड़ा खेल बड़ी ही तैयारी के साथ खेला गया,इस फर्जीवाड़े के लिए संयुक्त संचालक कार्यालय सरगुजा द्वारा कई स्तर पर प्लान तैयार किया गया था। कई प्लान बनाए गए थे जिसमे एक प्लान कारगर नहीं होने पर दूसरा और दूसरा पूरा नहीं होने पर तीसरा प्लान तैयार था। हुआ भी ऐसा ही पहले प्लान की जानकारी शिक्षकों को हो गई और जब विरोध होने लगा प्लान दूसरा अपनाया गया और फिर तीसरा प्लान भी अपनाया गया। पहले प्लान में पैसे लेकर सीधे कनिष्ठ को मनचाही पोस्टिंग दी गई जिसकी जानकारी शिक्षकों को हो गई विरोध हुआ और विरोध करने वालों को निलंबित किया गया और डराया गया जो वीडियो में देखा गया वहीं जब शिक्षक डर गए दूसरा प्लान अपनाया गया और जिनसे पैसा लिया गया था उन्हे अलग अलग जिले में पदस्थ किया गया और आदेश जारी कर दिया गया,फिर तीसरा प्लान अपनाया गया और जिन्हे जिन्हे अलग अलग जिले में पदस्थ किया गया था उन्हे आपसी सहमति बताकर पुनः उसी जिले में पदस्थ किया गया जिन जिलों में उन्हे पदस्थ करने के लिए पैसा लिया गया था। कुलमिलाकर तीन प्लान तैयार थे और तीनों प्लान अपनाए गए फर्जीवाड़ा करने के लिए।

काउंसलिंग के दौरान रिक्त पदों को डिस्प्ले बोर्ड से हटाया गया,बाद में उन्हीं पदों पर पदस्थापना दी गई

काउंसलिंग के दौरान भ्रष्टाचार को अमली जामा पहनाने के लिए डिस्प्ले बोर्ड से रिक्त पदों को हटाया गया और उन पदों को उन शिक्षकों के लिए सुरक्षित रखा गया जिनसे पैसा लिया गया था। बाद में जब काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी हो गई उन्ही पदों पर उन शिक्षकों को पदस्थापना दी गई जो नियम से पदस्थापना होती तो वह पदस्थापना नही प्राप्त कर सकते थे। मनचाही पदस्थापना उन्ही शिक्षकों को मिली जिन्होंने डेढ़ से दो लाख रुपए खर्च किए ।

कलेक्टर सरगुजा ने मामले में मांगा जवाब,सूत्र,संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर होगी कार्यवाही

मामले में कलेक्टर सरगुजा ने संयुक्त संचालक सरगुजा शिक्षा से जवाब मांगा है और जवाब संतोषजनक नहीं होने पर उचित कार्यवाही की बात उन्होंने की है। बताया जा रहा है की जब मामले की खबर सुर्खियों में आई तब कलेक्टर सरगुजा ने मामले को सज्ञान में लिया है और जवाब तलब किया है। अब देखना है की पूरे मामले में कलेक्टर सरगुजा को क्या जवाब दिया जाता है और फिर आगे क्या कार्यवाही की जाती है।

सैकड़ों की तादाद में हुआ संशोधन

जैसा की सूत्रों का कहना है की पैसे लेकर सैकड़ों शिक्षकों के पदस्थापना आदेश में संशोधन किया गया है। पूरे संभाग में हजारों शिक्षकों की पदोन्नति हुई है और उनमें से सैकड़ों से वसूली कर उन्हे मनचाही पदस्थापना प्रदान की गई। पूरा खेल करोड़ों का है जैसा बताया जा रहा है और इसमें कई लोगों के शामिल होने की संभावना बताई जा रही है जिसमे जिले के भी कार्यालयों की भूमिका संलिप्त है जो बताया जा रहा है।

जिन शिक्षकों से लिए गए पैसे उन्हे संशोधन के लिए दिया गया समय

संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा कार्यालय जिसके द्वारा पदोन्नति प्रक्रिया संपन्न की गई उसने उन शिक्षकों को नवीन पदस्थापना में कार्यभार ग्रहण करने के लिए पर्याप्त समय दिया जिन्होंने मनचाही पदस्थापना के लिए पैसा दिया। सभी शिक्षकों के लिए एक ही निर्देश कार्यभार ग्रहण करने के लिए जारी किया गया था और जिसमे समय सीमा निर्धारित थी लेकिन जिन्हे लाभ पहुंचाना था उन्हे आवेदन लेकर संशोधन का अतिरिक्त समय दिया गया और जब उनका संशोधन कर दिया गया तब जाकर उन्हें कार्यभार ग्रहण करने कहा गया। बताया यह भी जा रहा है की जिन शिक्षकों ने पैसे दिए उन्हे पहले से ही यह कह दिया गया था की वह कार्यभार ग्रहण न करें और उन्हे निर्देश पालन करने की जरूरत नहीं है उन्हे उनकी मनचाही पदस्थापना जब दी जाएगी तब उन्हे कार्यभार भी ग्रहण कराना कार्यालय की ही जिम्मेदारी होगी जिसके कारण पैसे देने वाले शिक्षक निश्चिंत थे जिन्हे बाद में मनचाही पदस्थापना मिल भी गई।

नियम अनुसार वरिष्ठता सूची के वरिष्ठ शिक्षक को मिलनी थी मनचाही पदस्थापना,लेकिन मिली कनिष्ठ शिक्षक को मनचाही पदस्थापना

जैसा की स्कूल शिक्षा विभाग का पदोन्नति पदस्थापना मामले में स्पष्ट निर्देश था की वरिष्ठता सूची में जो शिक्षक वरिष्ठ हैं पहले उन्हे ही पदस्थापना के लिए बुलाया जाएगा और उन्हे पहले सभी रिक्त पद दिखाए जायेंगे और उन्हीं में से वरिष्ठ शिक्षक अपनी मनचाही पदस्थापना ले सकेंगे लेकिन ऐसा न किया जाकर वरिष्ठ शिक्षकों को रिक्त पद पूरे नहीं दिखाए गए और जब उनकी बारी आई उन्हे सभी पद भरे हुए दिखाए गए लेकिन उनके बाद काउंसलिंग में पहुंचे शिक्षकों को जिनसे पैसा लिया गया था उन्हे उनकी मनचाही पोस्टिंग मिल गई जबकि उसपर वरिष्ठ शिक्षकों का हक था। कुलमिलाकर नियमो को ताक पर रखकर पैसे के बल पर जिन्हे जो स्कूल चाहिए थे उन्होंने प्राप्त कर लिए और नियम के भरोसे रहने वाले शिक्षक ठगे गए।

काउंसलिंग में जो शिक्षक गए ही नही उन्हे ही मिली मनचाही पोस्टिंग

बताया यह भी जा रहा है की कनिष्ठ वे शिक्षक जिन्हे मनचाही पोस्टिंग चाहिए थी उन्हे काउंसलिंग में भी उपस्थित नहीं होने का निर्देश जारी था और जिहोने पैसे दिए थे उन्हे साफ तौर पर कहा गया था की वह काउंसलिग में उपस्थित ही न हों उन्हे उनकी मनचाही पोस्टिंग मिल जायेगी,हुआ भी वही जो स्कूल शिक्षा विभाग के नियम के भरोसे पहुंचे थे वह ठगे गए और जिन्होंने पैसा दिया वह मनचाही पोस्टिंग लेकर अब निश्चिंत हैं।

फर्जीवाड़ा खुलेआम हुआ जो स्पष्ट नजर भी आता है।

फर्जी चिकित्सकीय आधार बनाकर भी दी गई मनचाही पोस्टिंग

पूरे मामले में फर्जी चिकित्सकीय आधार पर भी कई शिक्षकों को मनचाही पोस्टिंग दी गई। जिन्हे कोई भी बीमारी नहीं है उन्हे भी बीमार बताकर मनचाही पोस्टिंग दी गई वहीं स्कूल शिक्षा विभाग से जारी चिकित्सकीय आधार जिनके आधार पर शिक्षकों को लाभ प्रदान करना था उसमे भी फर्जीवाड़ा किया गया और स्वस्थ को भी बीमार बताकर मनचाही पोस्टिंग दे दी गई। पूरे मामले की यदि जांच की गई तो बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा हो सकेगा और पात्र शिक्षकों को जिन्होंने पदोन्नति लेने से भ्रष्टाचार के कारण इंकार कर दिया है उन्हे लाभ मिल सकेगा।

क्या मामले में होगी जांच,क्या जिम्मेदार लेंगे संज्ञान ?

संभाग के शिक्षा कार्यालय ने शिक्षकों को ही लूटा और उनके भ्रष्टाचार की वजह से कई शिक्षक पदोन्नति से वंचित हो गए। अब देखना यह है की शिक्षकों को लूटने वालों पर जिम्मेदार कार्यवाही करते हैं या मामले को ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। क्या इसी तरह संभाग में शिक्षा का स्तर सुधारेंगे अधिकारी,शिक्षकों से ही जब पैसा लेकर उन्हे मनचाही पोस्टिंग देंगे और कइयों को पदोन्नति से इसी कारण वंचित होना पड़ेगा तो ऐसे में कैसे शिक्षक ईमानदारी से शिक्षा का प्रकाश फैलाएंगे जबकि उन्ही के जीवन में उच्च कार्यालय अंधकार फैला रहें हैं और उनके अधिकार को ही बेच रहें हैं।

प्रदेश का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार साबित हो सकता है यह मामला, केवल जांच सही तरीके से हो जाए

बताया यह भी जा रहा है की पूरा मामला प्रदेश का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार का मामला साबित हो सकता है। जरूरत केवल सही जांच की है और सब कुछ सामने आ जाएगा। अब देखना है की क्या जांच होती है क्या दोषियों पर कार्यवाही होती है,क्या पात्र शिक्षक को पदोन्नति मिलती है। सब सभी सवालों के जवाब जांच से ही सामने आयेंगे।

पूर्व विधायक जमीन बिहारी जायसवाल ने नियम को ताक में रखकर आदिवासियों की जमीन पर किया कब्जा:डॉ.विनय जायसवाल

» जनपद पंचायत खड़गवां कार्यालय के समीप विशाल धरना प्रदर्शन कर किया विरोध...पूजन हवन कर सद्बुद्धि बढ़ाने ईश्वर से की प्रार्थना...दिया ज्ञापन

» मुखोटा नुमा व्यक्ति खड़ा कर...भाजपा के लाभार्थी सम्मान कार्यक्रम पर तंज सकते हुए पूर्व सीएम के हाथो पूर्व विधायक का किया सम्मान

- रवि सिंह-
एमसीबी/खड़गवां 20 जून 2023
(घटती-घटना)।

विधायक डॉ. विनय जायसवाल के नेतृत्व में सोमवार को अपने विधानसभा मनेंद्रगढ़ के विकास खण्ड खड़गवां के जनपद पंचायत कार्यालय के सामने विशाल धरना प्रदर्शन कर अपने सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ आदिवासी भाईयों की जमीन हड़पने वाले पूर्व विधायक के विरोध में प्रदर्शन किया और पुरे मामले की जाँच कर कार्यवाई के साथ एफआईआर दर्ज करने वर्तमान तहसील दार को ज्ञापन सौपा...मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल ने सभा को संबोधित करते हुये कहा की भाजपा नेता श्यामबिहारी जायसवाल ने गलत तरीके से सैकड़ों एकड़ जमीन का वन अधिकार पट्टा हासिल करने का बड़ा खेल खेला यह खेल यही नहीं रुका जब ये विधायक थे तब उन्होंने खड़गवां के 41 पंचायतो में मात्र 5 पंचायतों की जानकारी मेरे पास है जिसकी जमीन अपने कब्जे में ली. जो ग्रामीण जन उनका विरोध किया यातो वह जेल गया या इस शहर को छोड़ कर कही और इस लिए पूर्व विधायक को हम उनके नए नाम से अब जाने गे जिनका नाम श्याम बिहारी जायसवाल नहीं रह गया । उनका नाम अब जमीन बिहारी जायसवाल है अब आप ही बताइये कोई भी व्यक्ति विधायक बनने के बाद इतनी जमीन कैसे बना सकता है । पूर्व विधायक ने हद तो तब कर दी जब वह इस खेल में अपनी बुजुर्ग माँ तक को नहीं छोड़ा विनय ने इस विरोध प्रदर्शन में एक अनोखे अंदाज का भी प्रदर्शन जिसमें वह भारतीय जनता पार्टी के द्वारा चलाई जा रहे कार्यक्रम लाभार्थी सम्मान पर तंज करते हुए दो युवाओं को मुखोटा लगा कर छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह को गमन सिंह की संज्ञा देते हुए उनके हाथो से पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल को उनके नए नाम करण कर जमीन बिहारी जायसवाल के नाम से उच्चारण कर उन्हें आदिवासी भाइयों की जमीन कब्ज़ा करने के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया. श्री विनय इसके बाद भी नहीं रुके उनके तल्ख तेवर इतने गुस्से में थे की उन्होंने ने धरना स्थल पर पूजा हवन तक की व्यवस्था की और उपस्थित ग्रामीण जन महिलाओं के हाथो यज्ञ हवन तक कर दिया और पूर्व सीएम के साथ पूर्व विधायक को सद्बुद्धि मिले इसकी ईश्वर से प्रार्थना भी की । मनेंद्रगढ़ विधायक के ने अपने उद्बोधन में शासकीय दस्तावेजो को दिखाते हुए कर्म वर जनपद पंचायत के ग्रामो में किस नाम से कितनी भूमि को पूर्व विधायक के द्वारा कब्ज़ा किया गया उसकी जानकारी अपने मुख से उच्चरण किया और पुरे दस्तावेजो को ज्ञापन रूप में खड़गवां तहसील दार को देते हुए जल्द से जल्द निरस्त कर कार्यवाई की मांग की। श्री जायसवाल ने यह भी कहा की मनेन्द्रगढ़ के पूर्व विधायक श्यामबिहारी जायसवाल द्वारा 10 एकड़ वन अधिकार पट्टा फर्जी दस्तावेज लगाकर जमीन हासिल किया अपनी माँ चंद्रवती - पुत्र श्यामबिहारी-जायसवाल,कांति जायसवाल पति श्यामबिहारी जायसवाल के नाम 45.10 हेक्टेयर से ज्यादा पत्नी के नाम पर है । और श्याम बिहारी जायसवाल पिता सूरज दिन जायसवाल के नाम पर 39.35 एकड़ दर्ज है। उनकी पत्नी श्रीमती कांति जायसवाल के नाम से खड़गवां तहसील में ही 45.13 एकड़ जमीन है जिसमे राशन कार्ड में श्यामबिहारी जायसवाल के परिवार के सदस्य (माँ) के रूप में चंद्रवती का नाम अंकित है ग्राम पंचायत खड़गवां, रतनपुर, बरमपुर, मझौली एवं बेलबहरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामबिहारी जायसवाल के नाम पर 39.35 एकड़ जमीन कांति जायसवाल के नाम पर 45.13 एकड़ जमीन श्यामबिहारी जायसवाल ने पत्नी और माँ के नाम से फर्जी दस्तावेजों और कुटरचना करके 10 एकड़ से ज्यादा वन भूमि का वन अधिकार पट्टा के लिये आवेदन कर जमीन प्राप्त किया । दो अलग-अलग प्रकरण में पहले प्रकरण में पत्नी के प्रकरण में राशन कार्ड लगाया गया लेकिन माँ के प्रकरण में पहचान के लिये राशन कार्ड नहीं लगाया गया है, क्योंकि वन अधिकार पट्टा के अधिनियम के अनुसार व्यक्तिगत पट्टा परिवार के लिये जारी किया जाता है, एक ही परिवार के दो सदस्यों का पट्टा नहीं बन सकता । हालांकि इनके द्वारा तीन पीढियों के कब्जे का कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। अपना नाम छुपाने के लिये माँ और पत्नी के नाम से वन अधिकार पट्टे का बड़ा फर्जीवाड़ा किया गया है । माँ और पत्नी मातृ पक्ष की है, विवाह उपरांत तीन पीढी का रिकार्ड नहीं हो सकता। नियमतः 10 एकड़ से अधिक भू-स्वामित्व परिवार वन अधिकार पट्टा के लिये पात्रता नहीं रखता यह इनका गोरख धंधा है जिन्होंने अपने पांच वर्ष विधायकी कारकाल में किया अभी तो यह मात्र 5 पंचायत के कारनामे है अभी 46 पंचायत पुरे विधानसभा में बची है उनकी भी जाँच मेरे द्वारा कराई जा रही है जल्द और भी जमीन कब्ज़ा करने के दस्तवेज मेरे हाथो में होने जिनको आपके सामने रखूँगा। बहरहाल विरोध प्रदर्शन में कई वक्ताओं ने अपने अपने शब्दों में जमीन के बड़े खेल को भृष्टाचार्य की जानकारी दी और कार्यवाई की मांग रखी। इस विशाल धरना प्रदर्शन मुख्य रूप से महापौर चिरमिरी कंचन जायसवाल, सभापति गायत्री बिरहा, नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश पाण्डेय, उपाध्यक्ष सत्तार अली, ब्लाक अध्यक्ष मनोज साहू, वरिष्ठ कांग्रेसी राम अवतार अलगमकर, शंकर रॉव, सुधु लाल वर्मा, खड़गवां पंचायत के सरपंच प्रेम लाल, गुरु देव पाण्डेय, राहुल भाई पटेल, हैप्पी बधावन, शिवांश जैन, प्रदीप प्रधान, मंजीत सिंह, रवि बिरहा,घुर प्रसाद, महिला जिला अध्यक्ष नीता डे, ब्लाक अध्यक्ष महिला शोभना वर्मा, खड़गवां सरपंच सुखित सिंह, जनपद पंचायत खड़गवां के समस्त सरपंच, मनेंद्रगढ़ विकाश खण्ड के समस्त सरपंच, नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत के समस्त निर्वाचित पार्षद, मनोनीत पार्षद, ब्लाक कांग्रेस खड़गवां, चिरमिरी मनेंद्रगढ़ और झगराखण्ड के समस्त पदाधिकारी, एनएसयुआई संगठन के पदाधिकारी, युवा कांग्रेस के माह सचिव, विधानसभा उपाध्यक्ष, सचिव सहित भारी संख्या में स्थानीय कांग्रेस जन ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

भाजपा नेता दिनेश्वर ने कहा कांग्रेस केवल चुनावी हिंदू है और समय आने पर मंदिर में पूजा एवं आरती करने का ढोंग करती है

» भारत के नव निर्माण में गीता प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका, गांधी शांति पुरस्कार से पुरस्कृत करने पर केंद्र सरकार का जताया आभारःदिनेश्वर मिश्रा

- रवि सिंह -
मनेंद्रगढ़ 20 जून 2023 (घटती-घटना)।

भारत सरकार ने गीता प्रेस गोरखपुर को गांधी शांति पुरस्कार से पुरस्कृत करने का निर्णय लिया है जो स्वागत योग्य निर्णय है जिसके लिए केंद्र सरकार बधाई एवं साधुवाद की पात्र है कांग्रेस के नेताओं के द्वारा पुरस्कार का विरोध करते हुए सावरकर एवं गोडसे को पुरस्कृत करने की बात कर विरोध दर्ज कराया है उनका कहना है। इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए एल्डरमैन व

भाजपा नेता दिनेश्वर मिश्रा ने कहां की यह निहायत निंदनीय है और इससे यह प्रमाणित होता है कि कांग्रेस केवल चुनावी हिंदू है और समय आने पर मंदिर में पूजा एवं आरती करने का ढोंग कांग्रेस करती है गीता प्रेस 100 वर्षों से सनातन धर्म के धार्मिक पुस्तकों को छाप कर कम से कम दर में आम सनातनी तक पहुंचाने का भागीरथी प्रयास करता है इस दौरान उनके प्रेस से निकली हुई कई पुस्तकें जन सेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्यों पर प्रेरित होती है इनकी कई कार्यकर्ता समाज सेवा को लेकर अपना समय भी दे रहे हैंजिसकी जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है और गीता प्रेस को प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय पूर्व में की हो जाना था पर केंद्र सरकार के द्वारा किए गए इस निर्णय से समाज में समरसता का विकास होगा कांग्रेस की संकीर्ण मानसिकता का प्रेरक बताते हुए कहा कि जब जब चुनाव आता है तो ये हिंदू समाज के अपने आपको काफी बड़े उपासक बताते हैं यह पार्टी दिनों दिन गर्त बढ़ती जा रही है पर जा रही है क्योंकि इस पार्टी का कोई ठोस एजेंडा नहीं है। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रति धन्यवाद पत्र प्रेषित करते हुए केंद्र सरकार का सराहनीय कदम बताया है।

तेल तेरे बाप का...कपड़ा तेरे बाप का...आग तेरे बाप की तो जलेगी भी तेरे बाप की...क्या यह डायलॉग ने फिल्म आदिपुरुष की लंका लगा दी?

» फिल्म आदिपुरुष के विरोध में उतरा शहर का युवावर्ग...कहा यह प्रभु श्री राम और वाल्मीकि रामायण का घोर अपमान है

» गंगा श्री सेनेप्लेक्स के संचालक से फिल्म ना दिखाने की अपील और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम भारत वर्ष के सनातन धर्मीयों और सभी के आस्था के केंद्र है। रामायण और रामचरितमानस के साथ एक बड़े वर्ग की आध्यात्मिक भावनाएं जुड़ी है। और इसके प्रति बालक से लेकर वृद्ध तक अरबों के मन श्रद्धा है। और लोगो के मन में प्रभु श्री राम,माता सीता,हनुमान भक्त शिरोमणि की मनमोहक छवि अंकित है और ऐसे में अगर इसके साथ खिलवाड़ किया जाए तो स्वाभाविक सी बात है जनास्था पर कुठारा घात का होना और इसका विरोध होना। कहा 80 के दशक में निर्मित रामानंद सागर कृत रामायण जिसके चरित्र पटकथा संवाद आज भी जीवंत है। अरुण गोविल,दीपिका चिलखिया, सुनील लहरी, डरा सिंह और अरुण त्रिवेदी सरीखे कलाकारों ने अपने रोल में जान फूंक दी थी और आज यह आदिपुरुष।गौरतलब है कि निर्माता निर्देशक ओम राउत ने 500 करोड़ के बजट से वीएसएफ और एनिमेशन का प्रयोग करके साउथ के सुपर स्टार प्रभास और बॉलीवुड की अभिनेत्री कृति सेनन को लेकर आदिपुरुष फिल्म का निर्माण किया है जिसका पटकथा और संवाद लिखा है मनोज मुश्तिर ने। उक्त फिल्म किसी बड़े युद्ध और योधाओ की कहानी होती तो स्वीकार्य भी रहती लेकिन उक्त फिल्म भगवान श्री राम और रामायण से संबंधित होते हुए फूहड़ और बचकाना और अमर्यादित फिल्मांकन लोगो को रास नहीं आ रहा है जिसका व्यापक विरोध किया जा रहा है।

तेल तेरे बाप का,कपड़ा तेरे बाप का,आग तेरे बाप की तो जलेगी भी तेरे बाप कीः डायलॉग-आदिपुरुष का पटकथा और संवाद लिखा है मनोज मुंतशिर ने। जो खुद को देशभक्त और आध्यात्मिक साबित करते नही थकते। उन्होंने ऐसे घटिया संवाद का प्रयोग कर डाला है वो भी भगवान हनुमान के किरदार में जो जो किसी भी रूप में हनुमान जी जैसी छवि तक नहीं बनाता। मेघनाथ द्वारा पूछ में आग लगा देने के बाद कहा जाता है जली न।अब पता चलेगा जलती है तो कैसा लगता है इस पर हनुमान जी का संवाद है तेल तेरे बाप का।कपड़ा तेरे बाप का आग तेरे बाप की तो जलेगी भी तेरे बाप की। इसके साथ ही जो हमारी बहन बेटियों को छुएगा हम उसकी लंका लगा देंगे। बुआ का बगीचा समझ के घूमने चला आया भाग यहां से। सपोले ने शेष को लंबा कर दिया अभी एक ने ये हाल कर दिया हमारे पास तो पिटारे भरे पड़े है। उक्त डायलॉग को लोगो ने सिरे से नकार दिया है और सभी ओर डायलॉग राइटर की थू थू हो रही है। रावण को बना दिया मुगल बादशाह उक्त फिल्म में रावण का चरित्र निभाया है सैफ अली खान ने। जिसमे उनका हेयर कट और दाढ़ी और पहनावा एक मुगल आक्रांता के सदृश्य ही दिख रहा है। साथ ही रावण को भारी अजगरों से मसाज लेते दिखा दिया है रावण को भी खड़ऊ मुकुट कुछ नहीं पहिनया गया है उल्टे उसे भी चमड़े के वस्त्र पहिना दिए है। जबकि रावण एक प्रकांड पंडित रहा है जिसे वेदों का शास्त्र का बढ़िया ज्ञान रहा। जिसे देख कर स्पष्ट पता चलता है कि या तो वाल्मीकि कृत रामायण का अध्ययन नहीं किया गया अथवा जानबूझ के नवीनता का बहाना करके धार्मिक भावनाओं को आहत किया जाने का षड़यंत्र रचा गया है।

माता सीता को बंधनों में जकड़ी और दिखा दिया रोमांस करते

आपको बता दें उक्त फिल्म में माता सीता का किरदार बॉलीवुड की हिरोइन कृति सेनन को चोली में,बाल खुले हुए और भगवान के साथ रोमांस करते दिखाया गया है जो बिलकुल भी उचित और मर्यादित नही लगता। अपने भगवान के प्रति ऐसे दृश्य कोई भी देख के उक्त फिल्म का बहिष्कार करता ही। भगवान राम मूंछों वाले फिल्म में साउथ के सुपर स्टार प्रभास को भगवान राम के किरदार में दिखाया है जो बिल्कुल नही जम था। साथ ही कहीं कहीं पर चमड़े और सैंडल को धारण करते दिखा दिए है खड़ऊ और जनेऊ आदि को तो स्थान ही नहीं दिया गया है।

स्वर्णलंका को दिखा दिया कोयला खदान पुष्पक विमान को बना दिया चमगादड़

फिल्म में पुष्पक विमान को चमगादड़ दिखा दिया गया है और रावण की सोने की लंका को कोयला खदान बना

गंगा श्री सेनेप्लेक्स के संचालक से फिल्म ना दिखाने की अपील और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन- शहर के लोगो ने एकस्वर में उक्त फिल्म का विरोध किया और युवा वर्ग ने खासा जोश और उत्साह दिखाते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम जिले के कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संयुक्त कलेक्टर सीदार ने भी युवाओं की प्रशंसा करते हुए ज्ञापन लिया।इसके साथ ही शहर के एक मात्र गंगा श्री सिनिप्लेक्स के मालिक और संचालक आस्तिक शुक्ला से उक्त फिल्म को प्रदर्शित नही करने हेतु अपील किया। ज्ञापन देने और विरोध प्रदर्शन में मोनू मांझी, संवर्त कुमार रूप,आशु कुजूर, पवन मलिक, छवि ओम वर्मा, ऋषी नाविक,ऋषिकांत,क्रिश, निलेश केवट, विकाश नाविक, निलेश पाल, रचित शर्मा,ऋतिक सोनी, गजेंद्र गुप्ता, दिनेश मिश्रा,अंकित साहू,सुमित यादव,सोनू प्रधान,योगेश काशी,प्रशांत प्रताप सिंह,सुनील शर्मा सहित भारी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे।

जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में युवा सहित कई उतरे सड़क में

फिल्म के विरोध में सोमवार 19 जून को जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में कई रामभक्त सनातनप्रेमी और शहर के युवाओं ने शांतिपूर्वक अपना विरोध दर्ज। इस अवसर पर सबने फिल्म का बायकाट करने की अपील की और फ्लैक्सी बैनर के माध्यम से लोगो को जागरूक किया।

रामायण के साथ खेलवाड़ बर्दाश्त नहीं:मोनू

इस अवसर पर युवा नेता एल्डरमैन मोनू मांझी ने कहा कि श्री राम हमारे जैसे करोड़ों सनातन प्रेमियों के आराध्य है। प्रभु हनुमान सीता मां और यहां तक कि रामायण के किसी भी पात्र के लिए गलत फिल्मांकन को किसी को भी बर्दाश्त नहीं करना चाहिए।

आदिपुरुष वाल्मीकि कृत रामायण और तुलसीदास कृत रामचरित मानस का घोर अपमानः रूप

साहित्यकार और लेखक एस. के.रूप ने उक्त फिल्म पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह फिल्म उन सभी भारतवासी के लिए केवल कचड़ा और मजाक है जिन्हे अपने आराध्य देव प्रभु श्री राम नारायण के नर रूप पर गर्व है अभिमान है। यह फिल्म वाल्मीकि कृत रामायण और गोस्वामी कृत रामचरित मानस का घोर अपमान है। चरित्र चित्रण,पटकथा संवाद सभी अपरिपक्क और बेहूदें है। जो सनातन प्रेमियों के लिए कुठाराघात है।

योगमय भारत-योगमय विश्व के ध्येय वाक्य के साथ भारत योग शक्ति परिषद ने मनाया तृतीय स्थापना दिवस

- संवाददाता -
कोरबा,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

भारत योग शक्ति परिषद का तृतीय स्थापना दिवस 16 जून 2023 को योगमय भारत - योगमय विश्व के ध्येय वाक्य के साथ राजा रघुराज सिंह स्टेडियम बिलासपुर में उल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बिलासपुर तथा समीपस्थ क्षेत्रों से योग से जुड़े हुए छात्र-छात्राएं, योग प्रशिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। भारत योग शक्ति परिषद के तृतीय स्थापना दिवस के अवसर पर उपस्थित वक्ता डा. प्रशांत उपाध्याय ने योग के महत्व को बताया तथा अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाकर स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित किए। कार्यक्रम में सुश्री मोनिका पाठक, योग अनुदेशक अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर तथा शुद्ध योग केंद्र की संचालिका ने योग की सार्वभौमिकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों के कैरियर निर्माण में योग को अनिवार्य बताया। इस अवसर पर भारत योग शक्ति परिषद के प्रदेश संयोजक तथा राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य दीपक भास्कर, दिव्या राठौर, अनिता कश्यप, रीतू साहू , आरती आदित्य ने देश एवं प्रदेश में योग को जन-जन तक पहुंचाने तथा लोगों को योग से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय संगठन भारत योग शक्ति परिषद के गठन के प्रमुख उद्देश्यों को बताया। प्रदेश संयोजक दीपक भास्कर ने देश और प्रदेश में योग, फिटनेस, इम्यूनिटी, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, तनाव मुक्त जीवन, आयुर्वेद, वनौषधि, प्राचीन समय से परंपरागत रूप से मान्य प्राकृतिक देशी नुस्खे सहित स्वास्थ्य को सक्रिय रूप से मजबूत बनाने हेतु प्रतिबद्ध राष्ट्रीय संगठन भारत योग शक्ति परिषद के गठन के प्रमुख उद्देश्यों को विस्तार से बताया तथा भारत योग शक्ति परिषद द्वारा योग के विस्तार के लिए देश के विभिन्न राज्यों एवं जिलों में आयोजित किए जा रहे कार्यों और गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत योग शक्ति परिषद द्वारा देश और प्रदेश के गौरवशाली भारतीय योग कला, प्राचीन भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं, सांस्कृतिक धरोहरों, सामाजिक सरोकार के विस्तार और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने हेतु विभिन्न रचनात्मक कार्यों के साथ योग को बढ़ावा देने के लिए तथा योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभी राज्यों और जिले में छात्र-छात्राओं, युवाओं, महिलाओं सहित सभी नागरिकों को योग से जोड़ने के लिए, लोगों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने के लिए भारत योग प्रशिक्षण केंद्र,फिटनेस और इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए अतिशीघ भारत योग ट्रेनिंग सेंटर , इंडिया योगा स्टूडियों प्रारम्भ किया जा रहा हैं । इस अवसर पर मोनिका शर्मा, भावना तिवारी, प्रिया साहू, रोशनी देवांगन, इंदु साहू, स्वेता सुमन अनंत, अंजली सिदार, मुनमुन केसरी, स्वास्तिक शानू, दुर्गेश पटेल, जागृति कश्यप, माधवी , नीतिश साहू, राहुल घिरे सहित छात्र- छात्राएं एवं युवा जन उपस्थित थे।

एनटीपीसी ने नैगम सामाजिक दायित्व के तहत महिला स्वच्छता को लेकर कार्यक्रम का किया आयोजन

- संवाददाता -
कोरबा,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

मैत्री महिला समिति के सहयोग से एनटीपीसी ने नैगम सामाजिक दायित्व के तहत ग्राम धनरास कटघोरा की महिलाओं के लिए महिला स्वच्छता और स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करते हुए 03 दिवसीय कल्याणकारी गतिविधि का आयोजन किया गया । स्त्री स्वच्छता आवश्यक है और इसे घर व कार्यस्थल पर बनाए रखा जाना चाहिए। एक स्वस्थ जगह ही एक स्वस्थ पर्यावरण बनाने में एक लंबा रास्ता तय करता है। इस दृष्टि का समर्थन करने के लिए एनटीपीसी के नैगम सामाजिक दायित्व के तहत सीएसआर टीम ने एमएमएस (मैत्री महिला समिति) और कार्यान्वयन भागीदार व्यक्ति विकास केंद्र (आर्ट ऑफ लिविंग) के सहयोग से तीन दिवसीय कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया।14 जून से शुरू हुई 3 दिवसीय कल्याणकारी गतिविधि का समापन 16 जून को हुआ। समापन समारोह का आयोजन मैत्री महिला समिति द्वारा आयुष्मान भारत, हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, धनरस, कटघोरा, कोरबा में धनरस की महिला ग्रामीणों के लिए किया गया, जिसके दौरान मैत्री महिला समिति ने धनरस गांव को स्वस्थ बनाने के लिए धनरस गांव की महिलाओं को सैनिटरी पैड और अन्य दैनिक जरूरतों के पैकेट वितरण किया गया। इस संबंध में एमएमएस के सहयोग से एनटीपीसी की सीएसआर टीम ने मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता प्रथाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और इसके उत्पादों, अवधि शिक्षा और स्वच्छता सुविधाओं के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाया। 3 दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य महिला स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए तथा योग और प्राणायाम के बारे में जागरूकता बढ़ाना भी था। आज के व्यस्त समाज में योग, एक प्राचीन अभ्यास हो गया है। इसी सत्र में योग के महत्व पर जोर देते हुए कहा गया कि योग आंतरिक जागरूकता विकसित करता है। इसके साथ ही परिवार के स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता आदि के महत्व के बारे में भी बताया गया। श्रीमती मधुमती राव अध्यक्ष मैत्री महिला समिति ने भी 100 प्रतिभागियों को अपने साथियों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।

प्रदेश राजस्व मंत्री अग्रवाल 122 वे रथ यात्रा में हुए शामिल

- संवाददाता -
कोरबा,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा के प्रसिद्ध ग्राम दादरखुर्द में 122वें वर्ष में रथ यात्रा का आयोजन किया गया। 43 डिग्री तापमान के बीचे भगवान जगन्नाथ उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाने से पहले छेरा पहरा की परंपरा थवाईत परिवार ने पूरी की। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल भी इस खास अवसर पर विशेष अतिथि शामिल हुए। जिन्होंने भगवान की पूजा अर्चना कर आर्शिवाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर से रथयात्रा शुरू हुई इस दौरान मौके पर महापौर राजकिशोर प्रसाद के साथ ही अन्य जनप्रतिनिधि व श्रद्धालु मौके पर मौजूद रहे।

विद्युत विभाग द्वारा डेंजर स्पॉट का परीक्षण और सत्यापन को लेकर चलाया जाएगा अभियान

- संवाददाता -
कोरबा,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में सोमवार की दोपहर भीषण आगजनी की घटना में हुए करोड़ों के नुकसान के बाद कई सवाल उठ खड़े हो गए हैं द्य साथ ही शॉर्ट सर्किट से हुए इस भयानक आगजनी से घटित घटना के बाद लोगों और विभागों में चिंता व्यक्त किया जा रहा है। ऐसे में पावर कंपनी ने ऐसे मामलों पर ध्यान देने के साथ डेंजर स्पॉट का परीक्षण और सत्यापन करने अभियान चलाने का मन बनाया है। जल्द ही इस दिशा में काम किया जाएगा। सीएसईबी वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता पी.एल.सिदार ने बताया कि आगजनी को लेकर कई तरह की परिस्थितियां जिम्मेदार होती है और घटना घटने के बाद इनका पता चलता है। विभाग ने सुनिश्चित किया है कि जहां कहीं अंडरग्राउंड केबलिंग असुरक्षित है या जहां पर जंक्शन बॉक्स से लेकर ट्रांसफार्मर असुरक्षित एवं सुधार की स्थिति में है, उन्हें बेहतर किया जाएगा जिससे शॉर्ट सर्किट से आगजनी की घटना न हो। कुछ समय पहले इसे लेकर दो स्थान पर आवश्यक कार्रवाई भी की गई थी।उन्होंने बताया के 25 लोकेशन संज्ञान में लाया गया है जिन्हे जल्द ही मैदानी अमले के साथ अभियान चलाते हुए बेहतर किये जाने के लिए काम किया जाएगा। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि अनेक मामलों में उपभोक्ता अपनी सहूलियत के लिए विद्युत मीटर को अपने क्षेत्र के अंदर लगा लेते हैं या फिर उनके परिसर में जंक्शन बॉक्स खतरनाक स्थिति में होता है। जिसके कारण कई मौकों पर दुर्घटनाएं हो जाती है। जिस पर एक बार फिर मुहिम चलाते हुए लोगों को पॉवर कंपनी अपनी ओर से को सतर्क करेगी साथ ही एक बार फिर खासतौर शहरी क्षेत्र में अभियान शुरू करने के साथ संबंधित क्षेत्रों में ऐसे मामलों का सत्यापन करने के साथ व्यवस्था को ठीक किया जाएगा ताकि दुर्घटना शून्य स्थिति जिले में बनी रहे।

प्रदेश राजस्व मंत्री ने कामर्शियल कॉम्प्लेक्स हादसे में घायलों से मुलाकात कर स्वास्थ्य लाभ की ली जानकारी

- संवाददाता -
कोरबा,20 जून 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा के हृदय स्थल ट्रांसपोर्ट नगर के मुख्य मार्ग में स्थित कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में बीते दिन इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट से कई दुकानों के जल जाने से जहां व्यापारियों को लाखो का नुकसान हुआ वही 17 से अधिक लोग घायल हो गए एवं तीन लोगों की दम घुटने से मौत हो गई । इस घटना के संज्ञान में आने पर राजस्व मंत्रीजयसिंह अग्रवाल ने तत्काल पेंड्रा मरवाही दौरे को बीच में ही छोड़कर देर शाम कोरबा पहुंचे और उन्होंने स्वयं मौका मुआयना कर हालातों की जानकारी लेते हुए घायलों से मिलने मेडिकल कॉलेज अस्पताल, न्यू कोरबा हॉस्पिटल और श्वेता नर्सिंग होम गए जहां भर्ती घायलों से उनका कुशल क्षेम जाना। इस घटना में जिन तीन लोगों ने विकराल आग के कारण अपनी जिंदगी समर्पित कर दी ऐसे मृतकों के परिजनों से भी राजस्व मंत्री ने मुलाकात की । इस दौरान जयसिंह अग्रवाल ने घटना को अत्यंत कष्टदायक बताया एवं जल्द से जल्द इस घटना में घायल लोगों एवं उन तीन व्यक्तियों जो इस दुखमयी घटना में अपनी जान गंवाई हैं को शासन की ओर से सहायता राशि प्रदान करने की बात कही।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर,जिला-बलरामपुर,छ.ग.

पत्र क्रमांक 2283 व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां.खं./2023 बलरामपुर
दिनांक 16/06/2023

::निविदा निरस्तीकरण सूचना::

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर अंतर्गत निम्न निविदार्य अपरिहार्य कारणों से निरस्त किये जाते हैं।

स.क्र.	सिस्टम क्रमांक	निविदा सूचना क्र./दिनांक	जी.क्रमांक
1	128527	94/21.03.2023	99596
2	128530	94/21.03.2023	99596
3	128531	94/21.03.2023	99596
4	128533	94/21.03.2023	99596
5	128537	94/21.03.2023	99596
6	128541	94/21.03.2023	99596
7	128542	94/21.03.2023	99596

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

जी.नं.-02476/2

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर (छ.ग.)

न्यायालय-जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग सरगुजा,अम्बिकापुर (छ0ग0)

ईश्तहार

प्रति,
(1) मेसर्स अंश बिल्डर्स, द्वारा प्रोपराईटर नेहा सिंह पति पंकज सिंह, आयु करीब 40 वर्ष.पेशा-व्यापार, पता-श्री गुप्ता ईट भट्ठे के बगल में. रेलवे स्टेशन के पीछे, मनेन्द्रगढ़ रोड से भीतर, ठाकूरपुर, थाना गांधीनगर, तह0 अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)।
(2) पंकज सिंह आयु करीब 45 वर्ष, प्रबंधक, मेसर्स-अंश बिल्डर्स, पेशा व्यापार निवासी- श्री गुप्ता ईट भट्ठे के बगल में, रेलवे स्टेशन के पीछे, मनेन्द्रगढ रोड से भीतर, ठाकूरपुर,थाना-गांधीनगर, तह0 अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) परिवर्तित नाम एवं वर्तमान पता-पंकज सिंह उर्फ जगदीश सिंह थाना-कुटहन, ग्राम -नरेन्द्रपुर पट्टी, जिला जौनपुर उ0प्र0 ।
3) नेहा सिंह, पति पंकज सिंह, आयु करीब 40 वर्ष, प्रो0 मेसर्स अंश बिल्डर्स, पेशा-व्यापार,निवासी-श्री गुप्ता ईंट भट्ठे के बगल में. रेलवे स्टेशन के पीछे, मनेन्द्रगढ रोड से भीतर,ठाकूरपुर, थाना-गांधीनगर, तह0 अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) ।
एतद द्वारा इस ईश्तहार के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि आपके विरुद्ध परिवादी / आवेदक श्रीमती ऋचा यादव पत्नी श्री आलोक कुमार यादव आयु 48 वर्ष, जाति अहीर, पेशा शासकीय सेवक (शिक्षक केन्द्रीय विद्यालय महोबा, व उत्तरप्रदेश), निवासी सी-6, रावत रेसीडेन्सी,
मनेन्द्रगढ़ रोड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) व 1 अन्य के द्वारा.जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, सरगुजा अम्बिकापुर में परिवाद प्रकरण क्रं. सीसी / 2022/ 25 संस्थित किया गया है।
अतएव आप अथवा आपके प्रतिनिधित्व/ अधिवक्ता जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, सरगुजा अम्बिकापुर के समक्ष दिनांक 27.06.2023 को समय 11:00 बजे उपस्थित होकर अपना उत्तर /जवाबदावा प्रस्तुत करें। यदि आप उक्त नियत तिथि 27.06.2023 को उपस्थित नहीं होंगे तो परिवाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
यदि किसी कारणवश उपरोक्त दिनांक 27.06.2023 को अवकाश घोषित किया जाता है तो प्रकरण अगले कार्य दिवस में रखी-जावेगी।
* आज दिनांक 19.06.2023, को मेरे हस्ताक्षर से और इस जिला आयोग की मुद्रा से जारी किया गया।

(राकेश पाण्डेय)
अध्यक्ष
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग
सरगुजा,अम्बिकापुर, छ0ग0

सील

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर ,जिला-सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /ब-121/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चन्द्रावती गुप्ता पत्नी विपिन बिहारी गुप्ता व अनय निवासी मोमिनपुरा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर सिथत खसरा नंबर 2481/4 रकबा 0.041 हे0 मे से रकबा 0.020 हे0 भूमि को अनावेदक रजिया बानो पत्नी मो0 असीब निवासी महामाया वार्ड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपये15,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत कया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07.07.2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 01/06/2023 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर

वर्ल्ड गेम्स 2023 में खुला भारत का खाता

पॉवरलिफ्टिंग में टी. विशाल ने दिलाई पहली सफलता

बर्लिन,20 जून 2023। वर्ल्ड गेम्स 2023 में स्पेशल ओलंपिक भारत की टीम का खाता रजत पदक से खुला है। पावरलिफ्टिंग में टी. विशाल ने इस साल भारत के लिए पहला पदक जीता। विशाल के अलावा कई अन्य एथलीट अपने-अपने इवेंट्स के फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे हैं। पुडुचेरी के 16 वर्षीय विशाल ने पुरुषों के स्क्वाट (122.50 किग्रा), डेडलिफ्ट (155 किग्रा), बेंच प्रेस (85 किग्रा) और कम्बाइंड में रजत पदक जीता और बर्लिन में स्पेशल ओलंपिक वलर्ड गेम्स भारत को पदक तालिका में शामिल किया।

अपने माता-पिता द्वारा पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किए जाने पर, विशाल ने पैरालंपिक खेलों को देखते हुए ही वास्तव में खेल को अपनाया। उन्होंने तुरंत अपने माता-पिता से उनके लिए एक कोच खोजने के लिए कहा जो उन्हें तकनीक और खेल से जुड़ी जरूरी बातें सिखा सके। इस खेल के साथ पूरे जुनून से जुड़ने के बाद विशाल ने इंटरनेट को उन वीडियो को खोजने के लिए भी खंगाल डाला जो उन्हें बेहतर बनाने में मदद कर सकते थ। यहां से विशाल के लिए यह खेल खतरनाक जुनून बन गया था।

विशाल के पिता को जब अपने बेटे के जुनून के बारे में पता चला तो उन्होंने स्पेशल ओलंपिक भारत के बारे में पता लगाया। उन्होंने इलाके के कोचों और निदेशक से बात की और पूछा कि क्या उन्हें प्रोग्राम में शामिल करने का कोई तरीका है। घर के भीतर हालांकि इन बातों को लेकर हमेशा प्रतिरोध था क्योंकि विशाल की मां एक स्कूल शिक्षिका हैं। उनके अपने परिवार ने उन पर दबाव डाला कि वह आसानी से यह स्वीकार न करे कि विशाल एक विशेष आवश्यकता वाला एथलीट था।

एसओ भारत पुडुचेरी एरिया डायरेक्ट चित्रा शाह कहती हैं, ÷अभी भी, जब हम उसके रिजल्ट्स पर चर्चा करते हैं या उससे इस तथ्य के बारे में बात करते हैं कि वह एक विशेष आवश्यकता वाला बच्चा है, तो अक्सर उसकी मां द्वारा कुछ प्रतिरोध दिखाई जाती है। हमने उन्हें न केवल यह स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया बल्कि विशाल को हमारे यहां आने और खेलने देने के साथ-साथ हमारे प्रोग्राम के अंदर खेल का आनंद लेने की आजादी देने के लिए कहा। इससे उसे अपने साथियों के ग्रुप के साथ परफॉर्म करते हुए बेहतर होने में मदद मिलेगी। साथ ही वह सामाजिक रूप से एडजस्ट हो सकेगा।

विशाल के कोच और चित्रा कहती हैं कि विशाल का विकास देरी से हुआ है और खेलों में आने से उसकी खुद की पहचान बनाने की भावना में काफी सुधार हुआ है। भारी वजन उठाना और वह भी अपनी उम्र के अधिकांश बच्चों की क्षमताओं से परे जाकर, ने उसकी शारीरिक क्षमताओं की सीमाओं को आगे बढ़ाया है और

इससे उसे अपने आसपास की दुनिया के साथ काम करने में मदद मिली है। और अब जबकि उसने रजत पदक जीत लिया है, सबसे पहला संदेश और प्यार मां की ओर से आया है है, जो कि फोन पर बात करते हुए अपनी भावनाओं का इजहार करते हुए खुशी और गर्व से भरी हुई दिख रही थीं।

विशाल ने टोन सेट कर दिया है और इसी पर चलते हुए कई अन्य भारतीय भी पदक की दौड़ में शामिल हो गए हैं। कई भारतीयों ने विभिन्न खेलों में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। अगर ट्रैक क बात करें तो 800 मीटर धावक आसिफ मलानूर (लेवल बी), सोहम राजपूत (लेवल सी) और गीतांजलि नागवेकर (लेवल डी) अपने इवेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं जबकि लिबिन मल्लिका राजकुमार (लेवल बी) 200 मीटर में फाइनल में पहुंचे हैं। इसी तरह पुरुषों की 4×400 मीटर टीम ने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

पूल में सेमीफाइनल में पहुंचे 11 तैराकों में से छह ने अपनी स्पर्धाओं के फाइनल में जगह बनाई है। पुरुष वर्ग में माधव मदान (25 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, लेवल ए और 25 मीटर फ्रीस्टाइल, लेवल ए), दिनेश शनमुगम (50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, लेवल बी, 25 मीटर फ्रीस्टाइल, लेवल ए), अब्दुल रहमान (50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, लेवल बी, 25 मीटर फ्रीस्टाइल लेवल ए)) और टीनू मोंसी (25 मीटर फ्रीस्टाइल, लेवल ए) ने अपने इवेंट के फाइनल में जगह बनाई है।

महिला वर्ग में प्रार्थना (25 मीटर फ्रीस्टाइल, लेवल ए), अलीना एंथनी (50 मीटर फ्रीस्टाइल लेवल बी) के पास अपने इवेंट के फाइनल में पदक जीतने का मौका है। एंथनी, शनमुगम और रहमान का फाइनल 20 जून को होना है। इसी तरह एथलेटिक्स, तैराकी, पावर लिफ्टिंग, टेबल टेनिस और रोलर स्केटिंग में भी कई डिवीजनिंग इवेंट पूरे दिन चलेंगे और इनमें कई पदक दांव पर होंगे। खेलों से जुड़े एक्शन के अलावा स्पेशल ओलंपिक हेल्दी एथलीट प्रोग्राम पूरे खेल आयोजन के दौरान जारी है। प्रोग्राम बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों की देखभाल और भलाई में सुधार के लिए मुफ्त स्वास्थ्य जांच, शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है।

इस प्रोग्राम में स्वस्थ एथलीट भी स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर के तौर पर काम करते हुए छात्रों को ट्रेनिंग और व्यावहारिक अनुभव देते हैं। इससे वे बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों की देखभाल करने और उनके साथ क्यूनिकेट करने के लिए अपने अप्रोच को बेहतर करने में सफल होते हैं। अब तक, स्पेशल ओलंपिक ने 60 देशों में 300,000 से अधिक व्यक्तियों को ट्रेन किया है, और इस काम को जारी रखने के लिए 150 से अधिक विश्वविद्यालयों के साथ पार्टनरशिप भी की है।

तेजिंदर पाल सिंह तूर ने तोड़ा अपने एशियाई रिकॉर्ड

» चैम्पियनशिप के लिए किया क्वॉलीफाई

नई दिल्ली, 20 जून 2023। एशियाई गेम्स 2018 के गोल्ड मेडलिस्ट तेजिंदर पाल सिंह तूर ने राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैम्पियनशिप के अंतिम दिन 21.77 मीटर का थ्रो डाला। इस थ्रो को डालते ही उन्होंने शॉटपुट स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस 28 वर्षीय एथलीट ने कलिंग स्टेडियम में तीसरे थ्रो में 21.77 मीटर दूर गोला फेंका और ये रिकॉर्ड हासिल किया।

इससे पहले तेजिंदर पाल सिंह तूर का एशियाई रिकॉर्ड 21.49 मीटर का था। ये रिकॉर्ड उन्होंने पटियाला में बनाया था। इस सत्र में उनका ये नौंवा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। वहीं विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाइंग मानक 21.40 मीटर का है। हालांकि इसके लिए वो क्वालीफाई कर चुके है। इसके साथ ही वो एशियाई खेलों के लिए भी क्वालीफाई कर चुके है जिसका मानक 19 मीटर का है।

तूर एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं जो उन्होंने 21.09 मीटर का थ्रो कर हासिल की थी। उनका दूसरा थ्रो इस दौरान फाउल रहा और तीसरे में उन्होंने एशियाई रिकॉर्ड को धवस्त किया था। उनके अगले दो प्रयास फाउल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने अंतिम प्रयास में हिस्सा नहीं लिया।

बता दें कि पंजाब के ही करणवीर सिंह 19.78 मीटर के थ्रो से दूसरे स्थान पर रहे, उन्होंने भी एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई किया जबकि ज्योति याराजी को सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट चुना गया जिन्होंने 100 मीटर और 100 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीते। तूर ने कहा, ''मेरी ट्रेनिंग योजना के अनुसार रही और मैं 21 मीटर की दूरी तय करने के लिये तैयार था। अब मेरी योजना 22 मीटर पार करने की है।''वहीं लंबी कूद के स्टार एथलीट मुरली श्रीशंकर ने 8.29 मीटर से अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ चौथा प्रयास किया जिससे उन्होंने आसानी से स्वर्ण पदक जीत लिया। उन्होंने 8.03 मीटर से शुरुआत की और दूसरे थ्रो में दिन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

किया। अगले चार प्रयास फाउल रहे। तमिलनाडु के जेस्विन एल्ड्रिन 7.98 मीटर की कूद से दूसरे स्थान पर रहे, उन्होंने भी एशियाई खेलों का 7.95 मीटर का क्वालीफाइंग मानक पूरा किया। श्रीशंकर ने कहा, ''मैंने स्वर्ण पदक जीता लेकिन मैं अपने प्रदर्शन से खुश नहीं हूं क्योंकि मैं और ऊंची कूद लगा सकता था। '' केरल की एंसी सोजान ने भारत की नंबर एक शैली सिंह को पछाड़कर महिलाओं की लंबी कूद का स्वर्ण पदक जीता। सोजान ने 6.51 मीटर की कूद लगायी। उत्तर प्रदेश की शैली ने अपने दूसरे प्रयास में दिन की सर्वश्रेष्ठ 6.49 मीटर की कूद लगायी।

इन दोनों ने एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई किया जिसका क्वालीफाइंग मानक 6.45 मीटर का है। भाला फेंक सपर्धा में उत्तर प्रदेश के रोहित यादव, ओडिशा के किशोर कुमार जेना और उत्तर प्रदेश के शिवपाल सिंह ने 78.23 मीटर के क्वालीफाइंग मानक को हासिल कर एशियाई खेलों के लिये क्वालीफाई किया। रोहित ने 83.28 मीटर भाला फेंका जबकि किशोर और शिवपाल ने क्रमशः 82.87 मीटर और 81.96 मीटर की दूरी तय की। दिल्ली की केएम चंदा और हरमिलन बैंस ने महिलाओं की 800 मीटर रेस में हांगजोऊ एशियाई खेलों का क्वालीफिकेशन समय हासिल किया जो 2:04.57 सेकेंड का है। चंदा ने 2:03.82 सेकेंड के समय से पहला जबकि बैंस ने 2:04.04 सेकेंड से दूसरा स्थान हासिल किया। मध्य प्रदेश की केएम दीक्षा ने 2:04.35 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता। चंदा ने महिलाओं की 1500 मीटर स्पर्धा का कांस्य पदक हासिल किया। भारत की बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता अनु रानी ने महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में एशियाई खेलों का टिकट कटाया। उन्होंने 58.22 मीटर दूर भाला फेंका जो एशियाई खेलों के क्वालीफाइंग मानक 56.46 मीटर से बेहतर था। हरियाणा की 16 साल की पूजा ने महिलाओं की ऊंची कूद में 1.80 मीटर के प्रयास से एशियाई खेलों के क्वालीफाइंग मानक की बराबरी की। असम के अमलान बोरगोहेन ने पुरुषों की 200 मीटर स्पर्धा में 20.72 सेकेंड से स्वर्ण पदक जीता लेकिन वह एशियाई खेलों के क्वालीफाइंग मानक 20.61 सेकेंड से पिछड़ गए।

इंडोनेशिया ओपन 2023 जीतने के बाद चिराग सात्विक करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

नई दिल्ली, 20 जून 2023। इंडोनेशिया ओपन जीतने वाली सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ द्वारा जारी ताजा रैंकिंग में कैरियर का सर्वश्रेष्ठ तीसरा स्थान हासिल किया। राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी ने मौजूदा विश्व चैम्पियन मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूइ यिक को सीधे गेम में हराकर इंडोनेशिया ओपन जीता था। इसके साथ ही यह सुपर 1000 टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी बन गई। भारतीय जोड़ी ने बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने के साथ स्विस ओपन भी जीता था। पुरूष एकल में किदाम्बी श्रीकांत तीन पायदान चढकर शीर्ष 20 (19वीं रैंकिंग) में पहुंच गए। लक्ष्य सेन दो पायदान चढकर 18वें स्थान पर पहुंच गए। एच एस प्रणय सर्वश्रेष्ठ एकल रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं जो नौवे स्थान पर है।

प्रियांशु राजावत चार पायदान चढकर 30वें स्थान पर पहुंच गए। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू महिला एकल में 12वें और साइना नेहवाल 31वें स्थान पर है। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद 16वें स्थान पर बने हुए हैं। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी 33वें स्थान पर जबकि तनीषा क्रास्टो ओर ईशान भटनागर 38वें स्थान पर हैं।

एशियन गेम्स के लिए पहलवान कर रहे तैयारी

» शुरू की प्रैक्टिस, आईओए लेने जा रहा ये फैसला

नई दिल्ली, 20 जून 2023। एशियाई खेलों को देखते हुए देश के दिग्गज पहलवानों ने प्रदर्शन को दरकिनार करते हुए अब प्रैक्टिस की शुरुआत कर दी है। एशियाई खेलों का आयोजन चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से होगा जिसके लिए खिलाड़ियों ने प्रैक्टिस पर ध्यान देना शुरू कर दिया है।

जल्द ही एशियाई खेलों की शुरुआत होने वाली है जिसके लिए तैयारी करने में अब देश के दिग्गज पहलवान भी जुट गए है। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाने वाले पहलवानों में शामिल विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया, गीता फोगाट आदि ने अब आगामी टूर्नामेंट एशियाई खेलों के लिए प्रैक्टिस की शुरुआत कर दी है।

जानकारी के मुताबिक स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सेंटर में देश के दिग्गज पहलवानों ने प्रैक्टिस करनी शुरू कर दी है। एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के लिए पहलवानों को पहले क्वालिफाई करने के लिए ट्रायल से होकर गुजरना होगा। अब तक ये जानकारी सामने नहीं आई है कि साक्षी मलिक ने भी प्रैक्टिस की शुरुआत कर दी है या नहीं। माना जा रहा है कि प्रैक्टिस शुरू करने के साथ ही सभी पहलवानों से देश के लिए मेडल लाने की उम्मीद उठी है।

बता दें कि संभावना जताई जा रही है कि

एशियाई ओलंपिक परिषद एशियाई खेलों के लिए भारतीय कुश्ती टीम के नाम भेजने के लिए 15 जुलाई की समय सीमा और आगे बढाने के अनुरोध को ठुकरा सकता है। इस संबंध में भारतीय ओलंपिक संघ ने अनुरोध किया है। इसके अनुसार भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को बिना तैयारी के ट्रायल देने होंगे क्योंकि लंबे समय तक चले प्रदर्शन के कारण उन्हें अभ्यास का समय नहीं मिला। एशियाई खेल चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से होने हैं और आईओए को खिलाड़ियों के नाम 15 जुलाई तक देने हैं। विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक समेत प्रदर्शनकारी पहलवान ट्रायल की तैयारी करना चाहते थे जिसकी वजह से उन्होंने खेल मंत्रालय से ट्रायल अगस्त में कराने की गुजारिश की थी।

आईओए ने शुक्रवार को पहलवानों की ओर से ओसीए से बात की। एक सूत्र ने बताया कि ओसीए के लिये आईओए के अनुरोध को मानना कठिन होगा। उन्होंने कहा,''ओसीए को 40 खेल विधाओं में 45 देशों को एशियाई खेलों में देखना है। ऐसे में आईओए का कुश्ती के लिये समय सीमा बढाने का अनुरोध मानना उसके लिये मुश्किल होगा। चार पांच दिन की बात होती तो गौर किया जा सकता था लेकिन 40-45 दिन के लिये समय सीमा बढाना मुश्किल है।'' सूत्र ने कहा कि चूंकि राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने अनुरोध किया है तो ओसीए इस मामले पर विचार करेगा। सूत्र ने हालांकि कहा कि ओसीए किसी देश की स्थानीय राजनीति में नहीं पड़ना चाहता।

चैम्पियनशिप में निर्धारित दिन ही होगा भारत-पाकिस्तान का मुकाबला

बेंगलुरू , 20 जून 2023। भारत और पाकिस्तान के बीच सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप का मुकाबला बुधवार को यहां श्री कांतीरावा स्टेडियम पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार खेला जायेगा। पाकिस्तान फुटबॉल टीम को सोमवार की रात को भारतीय उच्चायोग से वीजा मिल गया। कर्नाटक प्रदेश फुटबॉल संघ के एक अधिकारी ने बताया ,'' पाकिस्तानी टीम आज शाम या रात को यहां पहुंच सकती है। मैच बुधवार को शाम 7 . 30 पर खेला जाना है। एआईएफएफ स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और हमें यकीन है कि यह मैच निर्धारित समय पर ही होगा।''मैच यहां श्री कांतीरावा स्टेडियम पर शाम 7 . 30 से खेला जायेगा। पाकिस्तानी टीम मॉरीशस में एक टूर्नामेंट खेलने गई थी और उसकी रवानगी में विलंब हो गया क्योंकि पिछले सप्ताह भारतीय दूतावास बंद था और वीजा को मंजूरी नहीं मिल सकी।

एशियन फैंसिंग चैम्पियनशिप में बजा भारत का डंका

» मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बनी भवानी देवी

नई दिल्ली, 20 जून 2023। भारत की तलवारबाज खिलाड़ी सीए भवानी देवी ने एशियाई तलवारबाजी चैम्पियनशिप मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। भारतीय खिलाड़ी भवानी देवी ने इस चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम रौशन किया है। इससे पहले उन्होंने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन को मात देकर पदक पक्का किया था

चीन के वुक्सी में हो रही चैंपियनशिप में तलवारबाज सीए भवानी देवी ने महिला सेबर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में हार का सामना किया। इसके बाद भी उन्होंने कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए इतिहास रच दिया। तलवारबाजी में पदक लाने वाली सीए भवानी देवी भारत की पहली खिलाड़ी है। ऐसे में ये पदक भारत के लिए बेहद खास है।सेमीफाइनल मुकाबले में भवानी को उज्बेकिस्तान की जेनाब डेयिबेकोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 14-15 से हार का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत के लिए पहला पदक सुनिश्चित किया। भवानी ने क्वार्टर फाइनल में गत विश्व चैंपियन जापान की मिसाकी एमुरा को 15-10 से हराकर उलटफेर किया था। मिसाकी के खिलाफ यह भवानी की पहली जीत थी। इससे पहले उन्होंने जापान की खिलाड़ी के खिलाफ अपने सभी मुकाबले गंवाए थे। भवानी को राउंड ऑफ 64 में बाई मिली थी जिसके बाद अगले दौर में उन्होंने कजाखस्तान की डोस्पे करीना को हराया। भारतीय खिलाड़ी ने प्री क्वार्टर फाइनल में भी उलटफेर करते हुए तीसरी वरीय ओजाकी सेरी को 15-11 से हराया।

भारतीय तलवारबाजी संघ के महासचिव राजीव मेहता ने भवानी को उनकी एतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी है।

मेहता ने कहा, ''यह भारतीय तलवारबाजी के लिए बेहद गौरवपूर्ण दिन है। भवानी ने वह किया है जिसे इससे पहले कोई और हासिल नहीं कर पाया। वह प्रतिष्ठित एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय तलवारबाज हैं। पूरे तलवारबाजी जगत की ओर से मैं उन्हें बधाई देता हूं।'' उन्होंने कहा, ''भले ही वह सेमीफाइनल में हार गई लेकिन मुकाबला काफी करीबी था। सिर्फ एक अंक का अंतर था। इसलिए यह बड़ा सुधार है।''

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का नया पोस्टर जारी

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर रणवीर सिंह और एक्ट्रेस आलिया भट्ट जल्द ही फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आने वाले हैं। फिल्म को लेकर करण जौहर खूब एक्साइटेड हैं। वह आए दिन रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से जुड़ी चीजें साझा करते हैं। चंद मिनट पहले करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का पोस्टर शेयर किया है,

जिसने आते ही फैंस की एक्साइटमेंट को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। इसके साथ ही करण जौहर ने टीजर की रिलीज डेट भी साझा की है।

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह का लुक देखने लायक रहा। जहां आलिया भट्ट रेड साड़ी में नोज पिन पहने बेहद प्यारी लगीं। वहीं रणवीर सिंह भी रेड आउटफिट में डैशिंग लगे। पोस्टर के मुताबिक, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का टीजर कल यानी 20 जून को रिलीज होगा। बता दें कि फिल्म 28 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए करण जौहर ने लिखा, प्यार के दौरान की बस केवल शुरुआत हुई है।

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का टीजर कल रिलीज हो जाएगा तो याद रखें। फिल्म 28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह के अलावा धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी भी मुख्य भूमिका अदा करेंगे। फिल्म की बात करें तो इसे करण जौहर ने डायरेक्ट किया है। इस मूवी के जरिए करण जौहर ने लंबे समय बाद डायरेक्शन में अपना हाथ आजमाया है, ऐसे में रॉकी और रानी की प्रेम कहानी उनके दिल के और भी करीब है।

शिवांगी जोशी ने शुरू की नए शो बरसातें की शूटिंग,

म्यूजिक वीडियो में भी आएंगी नजर

ये रिश्ता क्या कहलाता है में अपने किरदार नायरा से घर-घर में पहचान बना चुकीं शिवांगी जोशी जल्द ही बरसातें नाम से एक नए शो में नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने कहा कि सोनी टीवी के लिए बालाजी द्वारा निर्मित शो की शूटिंग शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा, दर्शकों को जल्द ही शो देखने को मिलेगा।

शिवांगी ने बरुन सोबती और रिधि डोगरा अभिनीत अमेजन मिनी टीवी शो बदतमीज दिल के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहाः यह ट्रेलर से काफी आशाजनक लग रहा है और मुझे यकीन है कि सीरीज अद्भुत होगी। बरुण और रिद्धि दो बेहतरीन अभिनेता हैं।

खतरों के खिलाड़ी 12 में एक्शन करती नजर आई एक्ट्रेस इस सीजन किसे चीयर कर रही हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, जैसा कि ज्यादातर लोग जानते हैं, इंडस्ट्री में मेरे ज्यादा दोस्त नहीं हैं। इसलिए इस सीजन में मेरा कोई भी दोस्त नहीं है। लेकिन हां, मैं सभी को शुभकामनाएं देना चाहती हूं।

शिवांगी के अपकमिंग शो बरसातें में वह डबल रोल में नजर आएंगी। उनके साथ कुशाल टंडन की जोड़ी बनाई गई है।

एक्ट्रेस जल्द ही अंकित गुप्ता के साथ एक म्यूजिक वीडियो बारिश आई है में भी दिखाई देंगी। इस गाने को रजत नागपाल के म्यूजिक के साथ रितो रीबा ने गाया है और दिल को छू लेने वाले बोल राणा सोतल के हैं।

जान्हवी कपूर,गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू ने लंदन में उलझ की शूटिंग की शुरू

बॉलीवुड स्टार जान्हवी कपूर, गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू ने लंदन में उलझ की शूटिंग शुरू कर दी है। जान्हवी ने इंस्टाग्राम पर सेट से एक फोटो शेयर की। फोटो में फिल्म का क्लैपबोर्ड और उनकी आंखें देखी जा सकती हैं। फोटो में कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखाः उलझ

गुलशन और रोशन ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर यही फोटो शेयर की।

फिल्म भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के बारे में है और शूटिंग का बड़ा हिस्सा अलग-अलग विदेशी जगहों पर किए जाने की उम्मीद है।राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित फिल्म उलझ जान्हवी द्वारा निभाई गई एक युवा आईएफएस अधिकारी की कहानी है।

फिल्म का निर्माण जंगली पिक्चर्स द्वारा किया जा रहा है, और इसमें राजेश तैलंग, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

इस बीच, गुलशन की अपकमिंग फिल्म, गन्स एंड गुलाब, जो एक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर है, 1990 के दशक में सेट है। इसमें दुलारे सलमान, आदर्श गौरव और टीजे भानु भी हैं। जान्हवी वरुण धवन के साथ बवाल में नजर आएंगी। उनके पास राजकुमार राव अभिनीत मिस्टर एंड मिसेज माही भी है।

CMYK

छत्तीसगढ़ सरकार हर कदम पर किसानों के साथ:भूपेश

बारिश में विलंब से किसानों का चिंतित होना स्वाभाविक,मुख्यमंत्री ने हरसंभव सहायता का दिलाया भरोसा

» गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों के खाते में 12.70 करोड़ रूपए की राशि का किया ऑनलाइन अंतरण

» गोबर खरीदी में स्वावलंबी गौठानों की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत तक बढ़ी

» गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को अब तक 488 करोड़ 67 लाख रूपए का भुगतान

रायपुर,20 जून 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि इस वर्ष बारिश में विलंब हो रहा है, लेकिन उम्मीद है कि आने वाले समय में अच्छी बारिश होगी और फसल भी भरपूर होगी। बारिश में विलंब से किसानों का चिंतित होना स्वाभाविक है। मुख्यमंत्री ने किसानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। मैने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए हर तरह की तैयारी रखें। किसानों को खेती-किसानी के काम में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

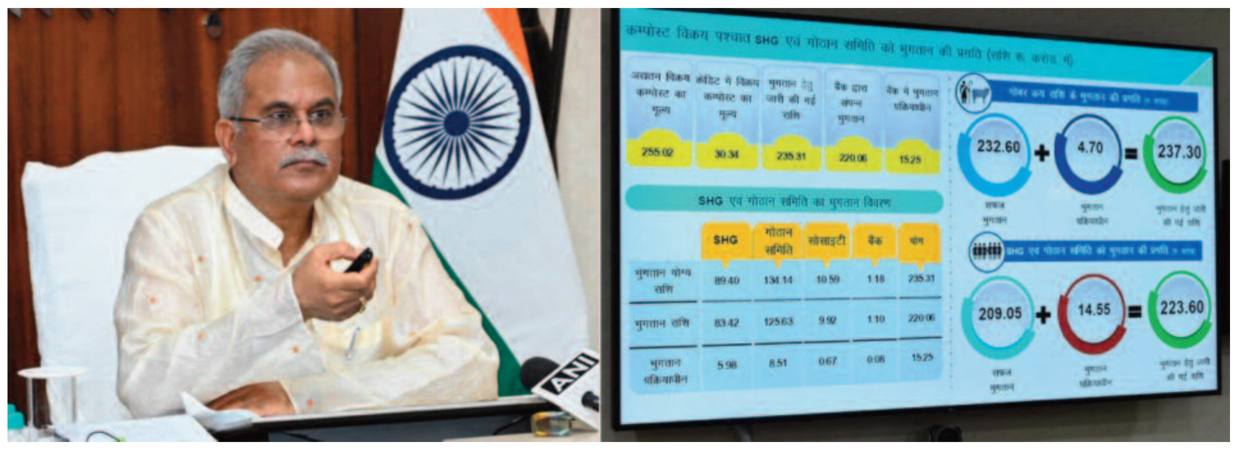

मुख्यमंत्री आज यहां अपने निवास कार्यालय में गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को राशि के अंतरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। सीएम ने कार्यक्रम में योजना के हितग्राहियों के खाते में 12 करोड़ 72 लाख रूपए का भुगतान किया। उन्होंने 1 जून से 15 जून तक गौठानों में पशुपालकों, ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से क्रय किए गए 2.40 लाख क्विंटल गोबर के एवज में 4 करोड़ 79 लाख रूपए का ऑनलाईन अंतरण किया। इसी तरह गौठान समितियों को 4.67 करोड़ रूपए और महिला समूहों को 3.26 करोड़ रूपए की लाभांश राशि का भुगतान किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज रथ यात्रा के शुभ दिन में गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों के खाते में राशि का अंतरण किया गया। उन्होंने सभी लोगों को रथ यात्रा की शुभकामनाएं दी।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री द्वारा आज अंतरित की गई राशि को मिलाकर गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को अब तक 488 करोड़ 67 लाख रूपए की राशि का भुगतान किया जा चुका है। राज्य में 15 जून 2023 तक गौठानों में 121.04 लाख क्विंटल गोबर की खरीदी की गई है, इसके एवज में गोबर विक्रेताओं को 242 करोड़ 7 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। इसी तरह गौठान समितियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को 231 करोड़ 53 लाख रूपए का भुगतान किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोबर खरीदी में स्वावलंबी गौठानों की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। कई पखवाड़ों से गोबर खरीदी के एवज में भुगतान की जा रही राशि में स्वावलंबी गौठानों की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत तक रहने लगी है। स्वावलंबी गौठानों द्वारा क्रय किए गए गोबर के एवज में अब तक 61.69 करोड़ रूपए का भुगतान स्वयं की राशि से किया गया है। गोबर खरीदी के एवज में आज गोबर विक्रेताओं को अंतरित की गई 4.79 करोड़ रूपए की राशि में से 1.90 करोड़ की राशि कृषि विभाग द्वारा तथा 2.89 करोड़ रूपए का भुगतान स्वावलंबी गौठानों द्वारा किया गया है।

जैविक खेती की ओर बढ़ रहा किसानों का रूझान

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में जैविक खेती की ओर किसानों का रूझान बढ़ रहा है। इसमें गोधन न्याय योजना का भी योगदान है। योजना के तहत खरीदे गए गोबर से गौठानों में महिला समूहों द्वारा 35 लाख 6 हजार क्विंटल से अधिक वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन किया गया, जिसमें से लगभग 16 लाख 56 हजार क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग किसान अपनी खेत में कर चुके हैं। राज्य के 7300 गौठानों में 6 लाख 34 हजार क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट तैयार है। किसानों को वर्मी कम्पोस्ट की आपूर्ति निरंतर होती रहेगी।

प्रदेशवसियों से लू से बचने की अपील

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दिनों प्रदेश में बहुत अधिक गर्मी पड़ रही है। लू भी बहुत चल रही है। मेरी आप लोगों से अपील है कि आप स्वयं को और अपने बच्चों को लू से बचाएं। अपने परिवार के स्वास्थ्य को लेकर सभी तरह से ऐहतियात बरतें।

खाद्य विभाग ने की अपील अखबारों में न बेचे खाने की चीजें

» इस नंबर पर कर सकते हैं शिकायत

रायपुर,20 जून 2023(ए)। राज्य शासन के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग के लिए अखबार का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की है। अखबार की छपाई में उपयोग होने वाली स्याही में कई खतरनाक रसायनों एवं रंजकों की मौजूदगी के मद्देनजर विभाग ने खाद्य कारोबारियों और लोगों से आग्रह किया है कि वे फूड पार्सल में छपे हुए कागजों का उपयोग न करें। यह मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। बार-बार समझाईश के बाद भी यदि कोई खाद्य कारोबारी इसका पालन नहीं करता है तो खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में इसकी शिकायत की जा सकती है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि समाचार पत्र दैनिक जीवन में सूचना के महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं। न्यूनतम लागत होने के कारण खाद्य पदार्थों को लाने-ले जाने के लिए अक्सर छपाई के लिए उपयोग किए जाने वाले अखबारी कागज या पेपर का उपयोग किया जाता है। फूड पार्सल लाने के लिए आमतौर पर फूड्स को अखबार में लपेटा जाता है जिसका इस्तेमाल ज्यादातर स्ट्रीट फूड के लिए किया जाता है। विक्रेता भोजन पैक करने के लिए और आमजन घर पर भी गहरे तले हुए भोजन से अतिरिक्त तेल निकालने के लिये अक्सर छपाई के लिए उपयोग किए जाने वाले अखबारी कागज/पेपर का उपयोग करते हैं। सेहत की दृष्टि से यह बहुत हानिकारक है।

पर्यावरणीय परिस्थितियों से भोजन को संदूषण से बचाने के लिए खाद्य पैकेजिंग आवश्यक है। लेकिन अखबार का उपयोग किए जाने से भोजन में स्याही का स्थानांतरण होता है जो भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा को प्रभावित करता है। यह मानव स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है। अखबार की छपाई में प्रयुक्त स्याही में डाई आइसोब्यूटाइल फटालेड, डाइएन आइसोब्यूटाइलेट जैसे हानिकारक रसायन एवं कई तरह के हानिकारक रंजक होते हैं, जो तेल के साथ मिल जाते हैं और खाने के जरिए हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इससे हमारे शरीर में पाचन संबंधी विकार, टॉक्सिसिटी, विभिन्न तरह के कैंसर, महत्वपूर्ण अंगों की विफलता तथा प्रतिरक्षा तंत्र का कमजोर होना जैसी कई बीमारियां होने की संभावना रहती है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने लोगों और खाद्य कारोबारियों से अपील की है कि खाने के स्टॉल से खाने-पीने की चीजें लेने-देने के लिए छपाई के लिए उपयोग किए जाने वाले अखबारी कागज/पेपर का उपयोग न करें। यदि कोई खाद्य कारोबारी ऐसा करता है तो उसे इसके दुष्प्रभाव की जानकारी दें। इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताएं और ऐसा न करने की सलाह दें। यदि कोई बार-बार समझाईश के बाद भी न माने तो कार्यालय नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन ब्लॉक-1, चतुर्थ तल, इंद्रावती भवन, अटल नगर नवा रायपुर के टेलीफोन नम्बर 0771-2235226, फैक्स नम्बर 2511988 और ईमेल आईडी कंट्रोलररायपुरएटदिरेटजीमेल.कॉम पर सूचित करें।

मुख्यमंत्री बघेल ने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की दी बधाई

» कहा- 'हर घर आंगन योग' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं

रायपुर,20 जून 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। योग दिवस की पूर्व संध्या पर आज यहां जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि योग मूल रूप से शरीर, मन और आत्मा को शुद्ध करने की एक प्रक्रिया है। इससे शारीरिक शक्ति के साथ हमें सकारात्मकता और आंतरिक भावनात्मक मजबूती भी मिलती है। वास्तव में योग स्वस्थ, तनावमुक्त और अनुशासित जीवन जीने की एक शैली है। बघेल ने कहा है कि योग को निरोग रहने का उत्तम साधन माना गया है। यह भारत की प्राचीन परंपरा है। हमारे ऋषि-मुनियों ने इसके महत्व

को बहुत पहले से ही जान लिया था। अब पूरा विश्व योग का महत्व समझ रहा है। हर साल 21 जून को पूरा विश्व योग दिवस मनाता है। इस वर्ष की 'वसुधैव कुटुंम्बकंब' के सिद्धांत पर आधारित 'एक विश्व एक स्वास्थ्य' थीम रखी गयी है। सभी लोग अपने स्वास्थ्य के लिए योग करें।

बघेल ने सभी नागरिकों से योग को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा है कि कहा है कि शारीरिक ऊर्जा, स्वास्थ्य और प्रतिरोधक क्षमता के विकास पर योग का काफी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है। इसे नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल करें। 'हर घर आंगन योग' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं। योग से जीवन में सकारात्मकता आएगी। तन और मन दोनो स्वस्थ्य रखकर हम 'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' के साथ 'गढ़बो स्वस्थ्य छत्तीसगढ़' के सपने को तेजी से साकार कर सकते हैं। स्वस्थ्य रहें और लोगों को स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रेरित करें।

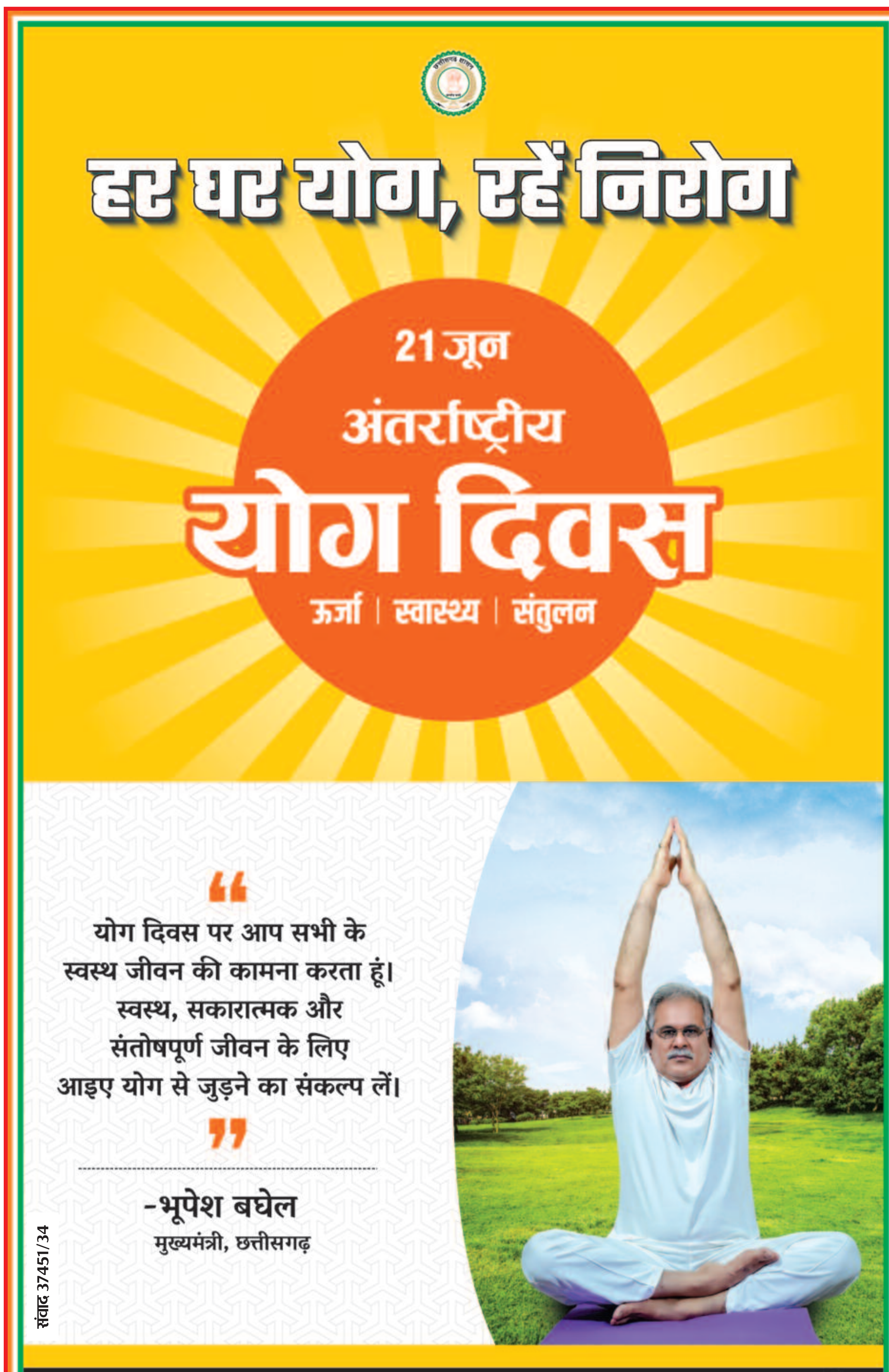

छत्तीसगढ़ में नहीं चलेंगे ओला,उबर और रैपीडो

लोगों की बढ़ेगी परेशानी

रायपुर,20 जून 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में आज ओला, उबर और रैपीडो कंपनियों की मनमानी से परेशान कैब संचालकों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल करने का फैसला लिया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ स्वाभिमान टैक्सी युवा मालिक कल्याण संघ के बैनर तले यह हड़ताल किया जायेगा।

इस संबंध में संघ के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि ओला, उबर, रैपीडो कंपनी द्वारा चालक व मालिक के साथ अत्याचार किया जा रहा है। पिछले तीन सालों से निजी कंपनियां लगातार हमारा शोषण करते आ रहे हैं। जब तक हमें पहले जैसे प्रोत्साहन राशि दिया जाए। हमारा प्रतिशत 20 से घटाकर 15 प्रतिशत किया जाए।

कैब संचालकों ने मांग की ये मांग

वहीं कैब संचालकों ने मांग किया कि रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट में पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराया जाए। शहर में गैरकानूनी तरीके से निजी नंबर की बाइक में कमर्शियल काम रैपीडों, ओला और उबर के द्वारा किया जा रहा है। इस पर तत्काल रोक लगाकर उन्हें भी कमर्शियल किया जाना चाहिए। शहर में टैक्सी सर्विस का काम निजी नंबर की गाड़ियां कर रही है। प्रशासन इसपर ध्यान नहीं दे रहा। परिवहन विभाग को इस पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। जब तक हमी मांगों को पूरा नहीं किया जाता तब तक हड़ताल जारी रहेगा। प्राइवेट कार का कमर्शियल इस्तेमाल बंद हो कई मांगों को लेकर कैब संचालकों ने सेवा ठप्प की और तूता में धरना देंगे। इन स्थानों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई में टैक्सी नहीं चलेगी।

फिर बढ़ेगी छत्तीसगढ़ सरकार की मुश्किलें

» ये दो बड़े संगठन एक साथ करेंगे आंदोलन

रायपुर,20 जून 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में सरकारी कर्मचारी और सरकार के बीच सियासत गरमाने लगी है। प्रदेश में एक बार फिर से सरकारी कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर विधानसभा के मानसून सत्र से पहले बड़े आंदोलन की रणनीति बना रहे है। बता दें कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फडरेशन और कर्मचारी अधिकारी महासंघ एक साथ अपनी लंबित मानगो को लेकर आंदोलन करने वाली है। वहीं दोनों बड़े संगठन के कर्मचारियों के एक साथ आंदोलन पर जानें से सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जानकारी के अनुसार आंदोलन की रणनीति तय करने के लिए मंत्रालय में दोनों संगठनों की एक बैठक हुई है। इसमें दोनों संगठनों में शामिल सभी दलों के प्रमुख पदाधिकारी मौजूद थे। इस

बैठक में सभी कर्मचारी नेताओं ने आंदोलन करने पर सहमती दी है। बैठक में आंदोलन संचालन के लिए 11 सदस्यीय संचालन समिति बनाए जाने का निर्णय लिया गया। आगामी विधानसभा सत्र के मद्देनज़र आंदोलन की तिथियों की घोषणा व सरकार को मांगपत्र के साथ हड़ताल का अल्टीमेटम दिया जाएगा। तिवारी ने बताया कि दो दिनों के भीतर आंदोलन की तिथियों की घोषणा महासंघ एवम फेडरेशन संयुक्त रूप से करेंगे। प्रवक्ता संजय तिवारी ने कहा कि फेडरेशन व महासंघ की संयुक्त आंदोलन की तैयारियों से शासन प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

क्या है कर्मचारियों की मांग

प्रदेश प्रवक्ता चंद्रशेखर तिवारी, संजय तिवारी और मंत्रालय अध्यक्ष महेंद्र राजपूत ने संयुक्त बयान में बताया कि फेडरेशन और महासंघ ने प्रदेश के लाखों कर्मचारियों के लंबित मांगो के लिए संयुक्त आंदोलन करने का निर्णय लिया है। प्रमुख मांगे - कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केंद्र के समान नौ प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जाए। 2016 से लंबित सातवें वेतनमान के अनुरूप गृह भाड़ा भत्ता दिया जाए। पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सौंपी जाए। घोषणा पत्र अनुरूप चार स्तरीय पदोन्नत वेतनमान दिया जाए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)